2019-20

वार्षिक प्रतिवेदन

IIM
AMRITSAR

0183-2254538 | www.iimamritsar.ac.in | छेहरटा, जी.टी. रोड, अमृतसर

विषयसूची

1. निदेशक का संदेश ---------- पृष्ठ 3
2. भारतीय प्रबंध संस्थान, अमृतसर ---------- पृष्ठ 6
3. शासी मंडल ---------- पृष्ठ 8
4. शैक्षणिक पहल एवं सफलता की कहानियां ---------- पृष्ठ 9
   - 4.1 विकास एवं छात्र जनसांख्यिकी ---------- पृष्ठ 9
   - 4.2 एमबीए पाठ्यक्रम का सुदृढीकरण ---------- पृष्ठ 10
   - 4.3 एनआईआरएफ रैंकिंग ---------- पृष्ठ 11
   - 4.4 शैक्षणिक सफलता के लिए अनुसंधान और पुस्तकालय संसाधन - पृष्ठ 12
   - 4.5 सूचना प्रौद्योगिकी: बुनियादी संरचना एवं प्रणाली ---------- पृष्ठ 13
   - 4.6 छात्र उपलब्धियां ---------- पृष्ठ 16
   - 4.7 कक्षा से अधिक छात्र क्लब और पहल :---------- पृष्ठ 20
   - 4.8 सामुदायिक सहभागिता ---------- पृष्ठ 26
   - 4.9 डॉक्टरल शिक्षाक्रम ---------- पृष्ठ 29
5. संकाय विशेषताएं---------- पृष्ठ 30
   - 5.1 संकाय संरचना और विविधता ---------- पृष्ठ 30
   - 5.2 संकाय द्वारा बौद्धिक योगदान ---------- पृष्ठ 31
6. प्लेसमेंट ---------- पृष्ठ 36
7. कार्यकारी शिक्षा एवं परामर्श ---------- पृष्ठ 40
8. पूर्व छात्र संबंध एवं प्रगति ---------- पृष्ठ 42
9. भौतिक अवसंरचना और स्थायी परिसर ---------- पृष्ठ 44
10. अग्रेषित पथ: एक भविष्यवादी दृष्टिकोण ---------- पृष्ठ 47
11. वित्तीय परिणाम ---------- पृष्ठ 48-81

निदेशक का संदेश

भारतीय प्रबंधन संस्थान - अमृतसर के प्रथम पूर्णकालिक निदेशक के रूप में वर्ष 2019-20 का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। यह वर्ष भारतीय प्रबंधन संस्थान - कोझीकोड के संरक्षण से आईआईएम अमृतसर के प्रबंध मे हुए परिवर्तन का साक्षी रहा है। वर्ष 2015 में संस्थान की स्थापना के पश्चात, प्रो. देबाशीष चटर्जी, संरक्षक-निदेशक एवं प्रो. राजू, नोडल प्रोफेसर के नेतृत्व में आईआईएम कोझीकोड ने चार वर्षों तक आईआईएम अमृतसर को सफलतापूर्वक विकसित किया है। आईआईएम अमृतसर समुदाय उनके द्वारा रखी गई सर्वोत्तम नींव की सराहना करता है और इस हेतु उनके प्रति आभारी है। हम इसे विकसित करने और प्रबंध अनुसंधान और अध्ययन हेतु इस संस्थान को विश्व-स्तरीय उच्च शिक्षा संस्थान के रूप मे प्रस्थापित करने की आशा रखते हैं। इस वर्ष की शुरुआत शासी मंडल द्वारा गंभीर खोज और चयन प्रक्रिया के बाद संस्थान के पहले पूर्णकालिक निदेशक की नियुक्ति के साथ हुई। संस्थान के लिए अपनी सेवाओं के लिए शासी मंडल के अध्यक्ष श्री संजय गुप्ता और चयन समिति के सदस्यों के प्रति आईआईएम अमृतसर आभार व्यक्त करता है। इस वर्ष के दौरान, संस्थान द्वारा कई उल्लेखनीय उपलब्धियां प्राप्त की गईं।

पंजाब सरकार से सहायता के आश्वासन के साथ, संस्थान ने एक एकड़ अतिरिक्त जमीन, जो कि हमारे स्थायी परिसर के भीतर स्थित थी, और जिससे स्थायी परिसर के विकास में बाधा थी, उस जमीन को खरीदा गया। संस्थान का 'भूमि पूजन' 7 अक्टूबर, 2019 को माननीय श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक', मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत सरकार और श्री त्रिपत राजिंदर सिंह बाजवा, उच्च शिक्षा मंत्री, पंजाब सरकार की उपस्थिति में आयोजित किया गया था। इस वर्ष भी संस्थान ने पिछले वर्ष की तुलना में अपने एमबीए छात्रों की संख्या में कुल चालीस छात्रों की वृद्धि की, जो 37.74 प्रतिशत की संवृद्धि है। समग्र विकास के अलावा, संस्थान ने लिंग, आरक्षित श्रेणी और शैक्षिक पृष्ठभूमि के संदर्भ में अपने छात्र निकाय की विविधता में भी संवृद्धि की है।

संस्थान ने आर्थिक मंदी एवं कोविड-19 संकट के बावजूद, पिछले वर्ष की तुलना में औसत सीटीसी में 3.3% की वृद्धि के साथ पिछले वर्षों की तरह 100% प्लेसमेंट सफलतापूर्वक पूर्ण किया। अंतिम वर्ष के छात्रों के शीर्ष चतुर्थक की सीटीसी भी बहुत वृद्धि हुई है। ग्रीष्मकालीन एवं अंतिम प्लेसमेंट के लिए हमारे छात्रों की नियुक्ति हेतु लगभग 75 कंपनियों ने संस्थान परिसर को भेट दी।

संस्थान ने आगामी बैचों के लिए उद्योग आवश्यकताओं को श्रेष्ठतर पूरा करने हेतु एमबीए पाठ्यक्रम को भी संशोधित किया। उद्योग, पूर्व छात्रों की प्रतिक्रिया और अन्य संस्थानों के मानकों के आधार पर, संकाय सदस्य कार्यात्मक क्षेत्रों में विशेष अध्ययन के अवसर सहित शैक्षणिक कार्यक्रम को सशक्त करने के लिए पाठ्यक्रम को संशोधित करने में सक्षम थे। संस्थान ने पहली बार पात्र बनने के लिए एनआईआरएफ रैंकिंग में भी भाग लिया।

संस्थान ने सीबीएसई कार्यक्रम के लिए अपना पहला एमडीपी भी आयोजित किया, जिसमें भविष्य में कई अनुवर्ती सत्रों को प्रस्तुत किया जाएगा। जबकि कोविड -19 की स्थिति ने इनमें से कई कार्यक्रमों को रोक लगाई है, मात्र उद्योग और समाज की विविध आवश्यकताओं को पूर्ण करने के लिए उद्यमशीलता की भावना अभीभी मजबूत बनी हुई है।

छात्रों के संबंध मे, संस्थान ने पहली टाटा क्रूसिबल बिजनेस क्विज का आयोजन किया, जिससे आईआईएम अमृतसर के दो छात्र यह राष्ट्रीय फाइनल तक पहुंचे। 26 जनवरी 2020 के गणतंत्र दिवस पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं, सांस्कृतिक उत्सवों और वाघा सीमा पर प्रदर्शन में भी छात्रों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

हमारे छात्रों के शैक्षिक अनुभव को समृद्ध करने और हमारे संकाय को विश्व स्तरीय अनुसंधान करने हेतु सहायता प्रदान करने के लिए, संस्थान ने शैक्षिक डेटाबेस का विस्तार किया है। प्रौद्योगिकी के विषय मे, हमने आईटी अवसंरचना, एक नया सर्वर के साथ सुधार किया एवं

आईटी-सक्षम कक्षा को भी प्रस्थापित किया। निकटस्थ स्थान में एक इमारत की पहली मंजिल को पट्टे पर लेने के साथ, संस्थान की योजना अधिक संकाय को समायोजित करने और आगामी वर्ष 2020-21 के लिए बैच की संख्या बढ़ाने की है।

संस्थान छात्रों को समग्र शिक्षा प्रदान करने के लिए उद्योगों के साथ बातचीत को प्रोत्साहित करना कायम रखता है। संस्थान ने परिसर को भेट देने वाले उद्योग विशेषज्ञों और कुछ सीईओ वक्ताओं के साथ कई सम्मेलन आयोजित किए।

छात्रों ने शैक्षणिक गतिविधियों के अलावा, इस वर्ष मे कई सीएसआर पहलों में भी भाग लिया।

संस्थान ने दिल्ली, बेंगलुरु और मुंबई में पहली वार्षिक पूर्व छात्रों की बैठक भी आयोजित की, जिसमें निदेशक तीनों बैठकों में उपस्थित थे और शासी मंडल के एक सदस्य ने मुंबई में इस कार्यक्रम में उपस्थित हुए। पूर्व छात्र संघ जनवरी 2020 से पूर्व छात्रों समाचार पत्र की शुरवात की है।

कुल मिलाकर, कई विषयों पर, संस्थान ने महत्वपूर्ण प्रगति की है तथा दृढ़ एवं जोशपूर्ण समुदाय के साथ, आईआईएम अमृतसर कई अधिक ऊंचाइयों के लिए तैयार है।

भवदीय,

प्रो. नागराजन रामामूर्ति, पीएच.डी.,

निदेशक

भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर
Indian Institute of Management Amritsar

2.आईआईएम अमृतसर

भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) अमृतसर पंजाब सरकार के सहयोग से मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा स्थापित 15वां आईआईएम संस्थान है। 27 जुलाई 2015 को आईआईएम अमृतसर सोसाइटी के पंजीकरण के पश्चात वर्ष 2015-17 की वर्ग के लिए पहली बैच अगस्त 2015 में प्रवेशित कि गई। बाद में, 14 अक्टूबर 2015 को आईआईएम अमृतसर शासी मंडल एवं सोसाइटी का गठन किया गया था।

स्वर्ण मंदिर और वाघा सीमा की भूमि अमृतसर में स्थित होने के कारण, संस्थान इस पवित्र शहर द्वारा प्रदान किए गए समृद्ध अनुभव से लाभान्वित होता है। संस्थान वर्तमान में पंजाब प्रौद्योगिकी संस्थान भवन में, जो की रेलवे स्टेशन से 5 किमी और हवाई अड्डे से 10 किमी दूरी पर है, वहां से संचालित है। इसका स्थायी परिसर आईएसबीटी से लगभग 7 किमी और रेलवे स्टेशन से 8.5 किमी दूर बनाया जाएगा, जिससे वहां आसानी से पहुंच होगा।

आईआईएम अमृतसर, वर्तमान में प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम प्रदान करता है। इस कार्यक्रम को विश्व स्तरीय प्रबंध शिक्षा प्रदान करने हेतु बनाया गया है, जिससे कि अत्यधिक व्यावहारिक प्रबंध व्यावसायिकों का निर्माण कर सभी क्षेत्रों में उद्यमों की आवश्यकताओं को पूर्ण किया जा सके। संस्थान भविष्य के प्रबंधकों के हृदय, विचारों और कार्यों में मजबूत शैक्षिक नींव और मूल्य प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। अनुकरणीय शिक्षा प्रदान करने के लिए अपनी अथक निष्ठा के कारण, आईआईएम अमृतसर ने अल्प अवधि में ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अध्ययन के अग्रदूत के रूप में स्वयं को स्थापित किया है।

प्रतिष्ठित आईआईएम के अन्य संस्थानों द्वारा अनुसरण किए जाने वाले शिक्षाशास्त्र का ही अनुसरण यह संस्थान करता है। अत्याधुनिक आईटी-सक्षम कक्षाओं, प्रासंगिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और प्रबंध पत्रिकाओं को पहुंच प्रदान करने वाला डिजिटल पुस्तकालय, सभागार, छात्र गतिविधि कक्ष, भीतरी एवं मैदानी खेल सुविधाओं, व्यायामशाला, विशाल छात्रावास आदि, जैसी विभिन्न सुविधाओं के साथ, आईआईएम अमृतसर अपने छात्रों को अध्ययन और विकास हेतु एक पोषण वातावरण प्रदान करता है। आईआईएम अमृतसर एक

उद्यमशीलता संस्कृति बनाने पर भी ध्यान केंद्रित करता है, जहां छात्र और संकाय एकत्रित सर्वोत्तम उद्यमशील समाधान निर्माण करते हैं।

गुण-संपन्न संकाय एवं उद्योग जगत के प्रतिष्ठितों से शिक्षा के अलावा, यहां के छात्र विभिन्न क्लब और समिति की गतिविधियों में स्वयं को सहभागी करके अनुभव लेते हैं। हमारे छात्रों के अथक प्रयासों के परिणामस्वरूप उन्हें कई कॉर्पोरेट और बी-स्कूल प्रतियोगिताओं में जीत प्राप्त होती है और अंततः, उन्हे करियर के आशाजनक अवसर मिलते हैं। उचित अर्थ में, आईआईएम अमृतसर यह सपनों को पोषित करने, व्यक्तित्वों को फलने-फूलने और विश्व परिवर्तन के लिए करियर का कार्यक्षेत्र है।

3. शासी मंडल

अध्यक्ष

श्री संजय गुप्ता (सीईओ, दैनिक जागरण) नई दिल्ली
अध्यक्ष, आईआईएम अमृतसर – पंजाब

पदेन सदस्य

प्रो. नागराजन रामामूर्ति
निदेशक, आईआईएम अमृतसर - पंजाब

सदस्य

श्री जयंत दावर
प्रबंध निदेशक, टेक्नोलॉजीज लिमिटेड
गुडगाँव

श्री राहुल भंडारी, आई.ए.एस.
सचिव,
उच्च शिक्षा और भाषाएं,
पंजाब सरकार, चंडीगढ़

श्री निशांत सक्सेना
सीईओ, अंतरराष्ट्रीय व्यापार, सिप्ला, दुबई, यूएई

श्री शशिधर सिन्हा,
सीईओ, मीडियाब्रांड्स इंडिया प्रा. लिमिटेड,
मुंबई

श्री संजय कुमार सिन्हा
संयुक्त सचिव (प्रबंध एवं आईसीआर),
मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली

श्री कुशल राज चक्रवर्ती
संस्थापक, लोटस पेटल फाउंडेशन,
गुड़गांव

श्री विशेष सी चंडीओक
नेशनल मॅनेजिंग पार्टनर,
ग्रांट टॉरटन इंडिया-नई दिल्ली

श्री सचित जैन
उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक,
वर्धमान टेक्सटाइल्स लिमिटेड पंजाब

सुश्री शीला नायर,
निदेशक, संसाधन संघटन,
टाटा ट्रस्ट, मुंबई

4. शैक्षणिक पहल एवं सफलता की कहानियां

4.1 विकास एवं छात्र जनसांख्यिकी

2019-20 शैक्षणिक वर्ष के दौरान, आईआईएम अमृतसर ने एमबीए 04 बैच में प्रवेश मे एक सौ-छह (106) छात्रों की तुलना में एमबीए कार्यक्रम में एक सौ छियालीस (146) छात्रों को प्रवेश दिया। यह पिछले वर्ष की तुलना में 37.74% की वृद्धि दर्शाता है।

आईआईएम अमृतसर हितधारकों (संकाय, छात्र और कर्मचारियों) के साथ अपने संबंधों के सभी पहलुओं में विविधता और समावेशिता को महत्व देता है। इसके लिए, एमबीए 04 बैच में 104 (2.83%) में से 3 महिला छात्रों की तुलना में एमबीए 05 बैच की संख्या 146 के कुल सेवन में से महिला छात्रों की 17 (11.46%) हो गई। यह वृद्धि संस्थान के लिए सामान्य किंतु महत्वपूर्ण है।

एक अन्य उल्लेखनीय क्षेत्र जहां आईआईएम अमृतसर ने एमबीए 05 बैच में आरक्षित वर्ग के छात्रों के प्रतिनिधित्व में काफी सुधार दिखाया।

एमबीए 04 बैच की तुलना में, जिसमें आरक्षित वर्ग का प्रतिनिधित्व करने वाले छात्र निकाय का केवल 42.45% था, वही एमबीए 05 बैच में आरक्षित वर्ग से आने वाले 50% छात्र प्रवेशित थे, जिससे 7.5% का सुधार हुआ।

एक अन्य सांख्यिकीय क्षेत्र जहां, आईआईएम अमृतसर ने पिछले वर्ष से स्वयं को प्रतिष्ठित किया, वह प्रवेशित होने वाले छात्रों की शैक्षिक पृष्ठभूमि के संदर्भ में था। जबकि एमबीए 04 बैच में अभियांत्रिकी के छात्रों का वर्चस्व था (कुल 106 में से 96 इंजीनियर थे या अर्थात 90.57%), जब कि, एमबीए 05 बैच में कुल 146 में से कुल 104 इंजीनियर (71.23% इंजीनियर) थे, बाकी के छात्र विभिन्न जैसे कि कला, मानविकी और वाणिज्य क्षेत्रों से थे।

विभिन्न सांख्यिकीय मापदंडों पर छात्रों का विस्तार नीचे प्रस्तुत किया है*:

तालिका 1

	पुरुष	महिला	अ. जा.	अ. ज.	ओबी सी	इंजीनियर	गैर-इंजीनियर	अनुभवी	गैर-अनुभवी	कुल
एमबीए 04	103	3	11	6	28	96	10	63	43	106
एमबीए 05	129	17	24	9	40	104	42	84	62	146

*एमबीए 04 बैच में 107 और एमबीए 05 बैच में 153 छात्र शामिल थे, लेकिन ड्रॉप-आउट और अकादमिक बर्खास्तगी के कारण अंतिम संख्या क्रमशः 106 और 146 थी।

4.2 एमबीए पाठ्यक्रम का सुदृढीकरण

एमबीए के पाठ्यक्रम में संस्थान की स्थापना अर्थात लगभग चार वर्षों 2015-19 तक कोई संशोधन नहीं देखा गया था। विभिन्न हितधारकों (नियोक्ता, संकाय, छात्रों और पूर्व छात्रों) से प्राप्त प्रतिक्रिया के आधार पर, आईआईएम अमृतसर के संकाय ने एमबीए 06 बैच, जो शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के दौरान संस्थान में प्रवेशित होगी, उनके लिए एमबीए के पाठ्यक्रम को संशोधित करना शुरू किया।

पाठ्यक्रम में बदलाव न केवल एक समग्र शिक्षा प्रदान करने के लिए किए गए हैं बल्कि विभिन्न हितधारकों से प्राप्त प्रतिक्रिया के आधार पर चयनित विभिन्न क्षेत्रों में अधिक केंद्रित विशेषज्ञता प्रदान करते हैं। संशोधित पाठ्यक्रम मे अधिक महत्वपूर्ण हैं:

एकीकृत तरीके से प्रत्येक कार्यात्मक क्षेत्रों में अधिक ध्यान और गहराई के साथ प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम को सशक्त करना।

छात्रों के लिए विश्लेषिकी, मानव संसाधन प्रबंध, विपणन, वित्त, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंध और संचालन प्रबंध जैसे विशिष्ट कार्यात्मक क्षेत्रों में विशेषज्ञता का अवसर निर्माण करना।

छात्रों को संभवतः दूसरे सत्र के दौरान और निश्चित रूप से तीसरे सत्र के दौरान विशेषज्ञता के अपने चुने हुए क्षेत्रों में कुछ वैकल्पिक पाठ्यक्रम लेने के लिए अवसर प्रदान करना ताकि उन्हें अधिक केंद्रित वैकल्पिक प्रस्तुति के साथ ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप के लिए अच्छेसे तयार किया जा सके।

उन समुदायों के सामने आने वाले सामाजिक मुद्दों के समाधान के अध्ययन और विकास के अवसर प्रदान करने के लिए, जिसमें वे काम करते हैं, ऐसे एक सामाजिक भागीदारी परियोजना का परिचय करवाना।

4.3 राष्ट्रीय संस्थागत अनुसंधान संरचना (एनआईआरएफ) रैंकिंग

वर्ष 2019-20 में आईआईएम अमृतसर ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) की एनआईआरएफ रैंकिंग में भाग लिया। तीन बैच के स्नातक होने पर नए संस्थान एनआईआरएफ रैंकिंग में भाग लेने के लिए पात्र होते हैं। आईआईएम अमृतसर के लिए डेटा यह नवंबर 2019 से शुरू होकर मार्च 2020 तक सम्पूर्णतः जमा किया गया था। देश में हमारे सहकर्मी स्कूलों की तुलना में रैंकिंग उन क्षेत्रों की पहचान निर्माण करने में सहायता करनी चाहिए जहां आईआईएम अमृतसर को हमारी ब्रांड छवि को मजबूत करने पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

4.4. शैक्षणिक सफलता के लिए अनुसंधान और पुस्तकालय संसाधन

वित्तीय वर्ष के दौरान, संस्थान ने पुस्तकालय और अनुसंधान समिति की सिफारिशों पर, छात्र अध्ययन एवं शैक्षणिक अनुसंधान हेतु आवश्यक डेटाबेस को भी मजबूत किया। संस्थान ने बीस नए ई-संसाधन को अपने साथ जोड़ा है (तालिका 2 देखें)।

निम्नलिखित तालिका हमारे छात्रों और संकाय के लिए उपलब्ध अतिरिक्त शैक्षिक संसाधनों की एक सूची प्रदान प्रस्तुत की है। इसके अतिरिक्त, संस्थान ने एक ऑनलाइन सर्वेक्षण सॉफ्टवेयर QuestionPro को भी सब्सक्राइब किया है।

ऑनलाइन सर्वेक्षण सॉफ्टवेयर का उपयोग संकाय द्वारा सर्वेक्षण अनुसंधान और संस्थागत प्रशासकों के लिए हमारे छात्रों, पूर्व छात्रों और अन्य हितधारकों के सर्वेक्षण के लिए, जब आवश्यक हो, तब किया जा सकता है। संस्थान की योजना पुस्तकालय और अनुसंधान समिति के कार्यों के माध्यम से समय-समय पर अतिरिक्त पुस्तकालय संसाधनों के लागत-लाभ विश्लेषण की जांच करने की है।

क्र. सं.	डेटाबेस / पत्रिकाओं का नाम
1.	सीएमआईई इंडस्ट्री आउटलुक
2.	स्कोपस डेटाबेस
3.	टेलर एंड फ्रांसिस 96 जर्नल्स आर्काइव
4.	स्टेटिस्टा डेटाबेस
5.	इंडियन बोर्ड डेटाबेस
6.	सीएमआईई प्रोवेस डीएक्स
7.	प्रोक्वेस्ट निबंध एवं शोध प्रबंध

8.	सेज- एचएसएस 2019 संग्रह
9.	एचबीआर असेंड
10.	ईटीप्राइम
11.	दी केन
12.	क्रिसिल रिसर्च
13.	विले
14.	सायकीआर्टीकल्स
15.	कॉर्पोरेट की सामाजिक जिम्मेदारी
16.	ऑक्सफोर्ड हैंडबुक (136 शीर्षक) (ऑनलाइन)
17.	बिजनेस स्टैंडर्ड न्यूजपेपर डेटाबेस (1997 से आगे)
18.	इन्फोर्म्स जर्नल आरकाईव्ह
19.	प्रेस रीडर (न्यूज़पेपर डाइरैक्ट)
20.	लेक्सिसनेक्सिस एकेडमिक यूनिवर्स डेटाबेस

4.5 सूचना प्रौद्योगिकी: बुनियादी संरचना एवं प्रणाली

किसी भी शैक्षणिक संस्थान के विकास और प्रसिद्धि के लिए आईटी अवसंरचना, सेवाएं और समर्थन अत्यंत आवश्यक हैं। वर्ष 2019-2020 के दौरान, आईआईएम अमृतसर में आईटी सुविधाओं को कई भागों पर खर्च किया गया है। **जुलाई 2019** से, निदेशक, **आईआईएम अमृतसर** इनके मार्गदर्शन में, संस्थान द्वारा आईटी बुनियादी संरचना एवं सेवा के भविष्य के अनुमानों की समग्र योजना और रूपरेखा की परिकल्पना की गई थी। श्री दिलबाग सिंह, आईटी सहायता सेवाओं के अध्यक्ष और आईटी परामर्शदाता, इन्होने हमारे वर्तमान बुनियादी ढांचे को मानक करने के लिए एक ईआरपी प्रणाली सहित अपने आईटी आर्किटेक्चर का अध्ययन करने के लिए आईआईएम अहमदाबाद का दौरा किया।

हमने **सितंबर 2019** में अपनी वेबसाइट और अन्य सेवाओं जैसे इंट्रानेट और मूडल आदि को आईआईएम कोझीकोड के संगणक केंद्र से अपने परिसर में स्थानांतरित किया।

पहला प्रयास यह हमारी ऑनलाइन उपस्थिति को बढ़ाने और एक केंद्रीकृत क्लाउड-आधारित गतिशील वेबसाइट पर महत्वपूर्ण जानकारी रखने की दिशा में था। वर्तमान में, आईआईएम अमृतसर की नई वेबसाइट (**जनवरी 2020 से प्रक्षेपित**) पूरी तरह से गतिशील है और पारंपरिक उपयोग के अलावा, यह कई ऑनलाइन विशेष पोर्टलों जैसे **प्रवेश, पूर्व छात्रों, छात्रों की गतिविधियों, भर्ती** आदि से सुसज्जित है। इसके अलावा, **24 अप्रैल 2020** को वेबसाइट पर पूरी तरह **कार्यात्मक ऑनलाइन टेंडरिंग पोर्टल** भी प्रसारित किया गया है। जैसे कि, हर क्षेत्र में हमारी संस्थागत आवश्यकताएं बढ़ रही हैं, हमें विश्वास है कि हमारी वेबसाइट अगले पांच वर्षों में अधिक प्रभावी ढंग से उपयुक्त हो सकती है।

आईआईएम अमृतसर पारगमन परिसर में चलने वाले वायरिंग आधार के माध्यम से पूरे परिसर में वितरित एवं समूहबद्ध कंप्यूटिंग प्रदान करता है। विभिन्न नोड्स 250 एमबीपीएस + 150 एमबीपीएस बैंडविड्थ के साथ 6 कोर एसएमएफ गीगाबिट फाइबर ऑप्टिक बैकबोन के माध्यम से परस्पर जुड़े हुए हैं। डेस्कटॉप के लिए कनेक्टिविटी CAT 6UTP केबल का उपयोग कर रही है जो डेस्कटॉप स्तर पर एक समर्पित 100 एमबीपीएस बैंडविड्थ सुनिश्चित करती है। संगणक केंद्र नेटवर्क के मुख्य केंद्रस्थान के रूप में कार्य करता है और एक लेयर 3 बैकबोन स्विच को होस्ट करता है। कार्यसमूह स्विच संबंधित भवनों में स्थित हैं। पूरा परिसर वाई-फाई सक्षम है।

संस्थानों की नीति में अनुसंधान समर्थन एवं विकास प्रावधान के लिए, संकायों को कंप्यूटिंग सुविधा के नवीनतम कॉन्फ़िगरेशन **(आई7 8वा जेनेरेशन, 16 जीबी रॅम, 1टीबी एसडीडी, 2 जीबी ग्राफ़िक्स कार्ड, 15.6 स्क्रीन, वाईफ़ाई और ब्लूटूथ)** के साथ-साथ 3-इन-1 प्रिंटिंग और 1 टीबी व्यक्तिगत डेटा स्टोरेज के साथ प्रदान किया जाता है। प्रत्येक हितधारक और छात्र को कंप्यूटिंग और इंटरनेट सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। छात्रों के आवासीय अनुभव को स्थायी परिसर के बराबर बनाने के लिए, छात्रावासों में 350 एमबीपीएस की न्यूनतम बैंडविड्थ के लैन और वाई-फाई दोनों हैं। पारगमन परिसर और छात्रावासों की निगरानी और सुरक्षा आईटी अनुभाग द्वारा स्थापित और अनुरक्षित सीसीटीवी कैमरों द्वारा सुनिश्चित की जाती है। फरवरी 2020 के दौरान 200 क्षमताओं के सभागार का नवीनीकरण और उन्नयन किया गया, ताकि छात्रों के कार्यक्रमों, संगोष्ठीयों और उद्योग के विशेषज्ञों के व्याख्यान को आयोजित किया जा सके। यह सभागार पूरी तरह से पर्याप्त ध्वनिकी और बुनियादी ढांचे (माइक्रोफ़ोन की विविधता, एचडी डिस्प्ले, एम्पलीफायर, स्केलिंग स्विचर और इनबिल्ट पावर बैकअप) से सुसज्जित है।

व्यावहारिक प्रदर्शन के लिए छात्रों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए **सितंबर 2019** में **सिमुलेशन एवं कंप्यूटिंग प्रयोगशाला** की स्थापना की गई थी, जिसमें एनालिटिक्स सॉफ्टवेयर का नवीनतम संस्करण **आईबीएम सांख्यिकी एसपीएसएस 23 (60), माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस सूट 2019 (60 उपयोगकर्ता)** और हमारे शिक्षा पाठ्यक्रम आधार पर अन्य सिमुलेशन वातावरण शामिल हैं। अध्ययन-अध्यापन की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए कक्षाओं में स्मार्ट व्हाइटबोर्ड, इंटरैक्टिव पोडियम और नवीनतम प्रोजेक्टर आदि लगे हुए हैं।

निर्दोष आईटी सेवा और सहायता की कुंजी एक सुरक्षित और मजबूत सर्वर प्लेटफॉर्म है, इसे ध्यान में रखते हुए आईआईएम अमृतसर ने टीओआर स्विच (जुनिपर एक्स सीरीज), एकीकृत स्टोरेज, बैकअप, फ़ेलओवर और डेटाबेस सर्वर के साथ डेल वीएक्स रेल एस सीरीज-एस 570 हाइपर-कन्वर्ज्ड इंफ्रास्ट्रक्चर के 4 नोड का विकल्प का चयन किया है। यह कॉन्फ़िगरेशन अखंड वर्चुअलाइजेशन, इंटीग्रेशन और आईटी सेवाओं के भारी भार के रखरखाव को संभालने में सक्षम है।

व्हीएक्सरेल यह एक सामान्य ऑपरेटिंग मॉडल और प्रबंध ढांचे के तहत सार्वजनिक और निजी क्लाउड प्लेटफॉर्म को एकीकृत करने वाला एक सुसंगत हाइब्रिड क्लाउड अनुभव प्रदान करता है। उपयोगकर्ता पारंपरिक और विरासती अनुप्रयोगों से लेकर वर्चुअल डेस्कटॉप तक वर्कलोड के विस्तृत सेट का निर्माण, संचालन और प्रबंध कर सकते हैं, साथ ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग से लेकर क्लाउड-नेटिव और कंटेनर-आधारित वर्कलोड तक अगली पीढ़ी के वर्कलोड का निर्माण कर सकते हैं।

आईआईएम अमृतसर का आईटी विभाग अपने हितधारकों की सेवा और अनुभव की गुणवत्ता के लिए प्रतिबद्ध है। प्रत्येक सेवा या उत्पाद को भारत सरकार के नियमों और दिशा-निर्देशों के अनुसार भावी अग्रणी व्यापारों और विक्रेताओं पर अग्रगामी दृष्टि से अधिग्रहित किया जाता है। एक नियम के रूप में, हम गार्टनर के नेताओं और चुनौती देने वालों को बोर्ड पर लाने का प्रयास करते हैं। हालांकि, कई अन्य घटक हैं जिन्हें अपनाया जाना चाहिए और आईआईएम अमृतसर में शैक्षिक संरचना और उत्कृष्टता का समर्थन करने के लिए वर्तमान आईटी बुनियादी संरचना में ईआरपी सोल्युशन, क्लास रूम आधारित वेब रिकॉर्डिंग स्टूडियो और अन्य सहायक प्रणालियां जैसो को जोड़ा जाना चाहिए। स्थायी परिसर की कक्षाओं, पुस्तकालय और संगणक प्रयोगशालाओं के डिजाइन में पहले से ही बजट की कमी के भीतर कुछ अत्याधुनिक तकनीकों को शामिल किया गया है।

4.6 छात्र उपलब्धियां

शैक्षणिक 2019-20 वर्ष के दौरान, आईआईएम अमृतसर के छात्रों ने विभिन्न आयोजनों एवं प्रतियोगिताओं में चालीस (40) पुरस्कार (12 पुरस्कार यह एमबीए 04 बैच द्वारा और 28 पुरस्कार यह एमबीए 05 बैच द्वारा) जीते। यह एमबीए 04 और 05 बैचों के संयुक्त छात्र निकाय का 15.87% प्रतिनिधित्व करता है।

अंतर्राष्ट्रीय प्रमाणपत्र: पांच छात्रों ने अंतरराष्ट्रीय सीएफए प्रमाणीकरण (स्तर 1) प्राप्त किया और 1 छात्र ने एफआरएम में प्रमाणीकरण प्राप्त किया। **आयुष दबास, ऋषभ पुरी, दिव्यांशु भास्कर, वैभव सचदेवा** और **अक्षांश सिंघवी** इन्होने सीएफए स्तर 1 प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ। **शुभम खंडेलवाल** ने एफआरएम प्रमाणीकरण प्रक्रिया को पूर्ण किया है।

चौदह (14) छात्रों ने उन प्रतियोगिताओं में शीर्ष रैंक प्राप्त की जिनमें उन्होंने भाग लिया और सत्रह (17) छात्र उस प्रतियोगिता में उपविजेता रहे जिसमें उन्होंने भाग लिया। अतिरिक्त सात (7) छात्र इन प्रतियोगिताओं में शीर्ष दस रैंक में समाप्त हुए।

टाटा क्रूसिबल्स: आईआईएम अमृतसर ने 4 मार्च 2020 को कॉलेज के छात्रों के लिए प्रतिष्ठित **टाटा क्रूसिबल क्विज़**, भारत के सबसे बड़े और उच्चतम श्रेणी के व्यवसाय प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया। प्रश्नोत्तरी में कुल 104 टीमों ने भाग लिया और जीएनडीयू , आईआईएम अमृतसर एवं ग्लोबल इंस्टीट्यूट की टीमें फाइनल में पहुंचीं। आईआईएम अमृतसर विजेता के रूप में उभरा, जिसमें **श्री. सेबिन जॉन माइकल** और **श्री. आदित्य गुर्जर** ने 75,000/= रुपये की पुरस्कार राशि के साथ फाइनल जीतकर अंचल स्तरीय राउंड में प्रवेश किया। आईआईएम अमृतसर के श्री. **आकाश राय** और **श्री. प्रतीक साल्वे** 35,000/- रुपये की पुरस्कार राशि के साथ प्रथम उपविजेता के रूप में उभरे।

7 मार्च 2020 को दिल्ली में आयोजित टाटा क्रूसिबल क्विज के जोनल शो में कुल 7 टीम प्रतिभागी हुई। आईआईएम अमृतसर, बिट्स पिलानी, एचबीटीयू कानपुर आदि की टीमों ने राष्ट्रीय स्तर राउंड में स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा की। **श्री सेबिन जॉन माइकल** और **श्री आदित्य**

गुर्जर के साथ आईआईएम अमृतसर उपविजेता के रूप में उभरा और एक असामान्य जोड़ी बनाकर राष्ट्रीय स्तर राउंड में प्रवेश किया।

पुरस्कार और प्रतियोगिताएं:

आईआईएम अमृतसर के छात्रों द्वारा प्राप्त विभिन्न पुरस्कार तालिका 3 और 4 में दिए गए हैं।

तालिका 3: पीजीपी-05 वर्ष 2019-20 के दौरान उपलब्धियां

नाम	प्रतियोगिता का नाम	श्रेणी (रैंक)	राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय
अनिकेत कुलकर्णी	वित्त अनिवार्यता में प्रमाणन: बैंकिंग और बाजार, फिनशिक्षा	15वा	राष्ट्रीय
	इन्वेस्ट-ओ-फिनिएस्टा, वित्त और अर्थशास्त्र इवेंट, आईआईएम नागपुर	1ला	राष्ट्रीय
चाक्षु चावला	इन्वेस्ट-ओ-फिनिएस्टा, वित्त और अर्थशास्त्र इवेंट, आईआईएम नागपुर	1ला	राष्ट्रीय
	पिट ट्रेडिंग, अरुण्या 4.0, आईआईएम अमृतसर	2रा	राष्ट्रीय
अभिनय गर्ग	इन्वेस्ट-ओ-फिनिएस्टा, वित्त और अर्थशास्त्र इवेंट, आईआईएम नागपुर	1ला	राष्ट्रीय
हिमांशु झामनानी	अर्थशास्त्र-आईआईएम काशीपुर	3रा	राष्ट्रीय
	क्रैटोस'20, आईआईएफटी	1ला	राष्ट्रीय
गणेश राठोड	अर्थशास्त्र - राष्ट्रीय आर्थिक नीति निर्माण प्रतियोगिता-आईआईएम काशीपुर	3रा	राष्ट्रीय
ऋषभ जैन	एम्पायरियन'20' ओपसूत्र, आईआईएम जम्मू	2रा	राष्ट्रीय
गिरीश सावंत	एम्पायरियन'20' ओपसूत्र, आईआईएम जम्मू	2रा	राष्ट्रीय
	एचआरमनीज़'19, आईआईटी रुड़की	3रा	राष्ट्रीय
आरुषि सिलोडकर	एचआरमनीज़'19, आईआईटी रुड़की	3रा	राष्ट्रीय

अतुल कुमार जैन	क्रैटोस'20, आईआईएफटी	1ला	राष्ट्रीय
गौरांग सिंह	ब्लॉक चेन पर संपूर्ण भारत गो-क्रॅक-ईट चैलेंज	1ला	राष्ट्रीय
राहुल सहगल	विकीकनेक्ट, आरुण्या 4.0, आईआईएम अमृतसर	1ला	राष्ट्रीय
अक्षय त्यागी	पिट ट्रेडिंग, अरुण्या 4.0, आईआईएम अमृतसर	2रा	
सीवंत कुशल	पिट ट्रेडिंग, अरुण्या 4.0, आईआईएम अमृतसर	2रा	राष्ट्रीय
जसवंत नायडू	बीयर गेम सिमुलेशन अरुण्या 4.0, आईआईएम अमृतसर	2रा	राष्ट्रीय
	अल्टीमेट मार्केटर 4.0, शिव नादर	1ला	राष्ट्रीय
विनोद कुमार	बीयर गेम सिमुलेशन अरुण्या 4.0, आईआईएम अमृतसर	2रा	राष्ट्रीय
ऋषभ जैन	वॉर ऑफ वड्र्स, अरुण्या 4.0, आईआईएम अमृतसर	2रा	राष्ट्रीय
	वक्ता, अरुण्या 4.0, आईआईएम अमृतसर	1ला	राष्ट्रीय
अंशुल जैन	वॉर ऑफ वड्र्स, अरुण्या 4.0, आईआईएम अमृतसर	3रा	राष्ट्रीय
राज गोकलानि	क्षितिज का विस्तार, आईआईएम अमृतसर	2रा	राष्ट्रीय
	व्हाइट बॉल एनालिटिक्स, अरुण्या 4.0, आईआईएम अमृतसर	2रा	राष्ट्रीय
पुनीत कक्कड़	क्षितिज का विस्तार, आईआईएम अमृतसर	2रा	राष्ट्रीय
	व्हाइट बॉल एनालिटिक्स, अरुण्या 4.0, आईआईएम अमृतसर	2रा	राष्ट्रीय
पंकज	व्हाइट बॉल एनालिटिक्स, अरुण्या 4.0, आईआईएम अमृतसर	2रा	राष्ट्रीय

तालिका 4: पीजीपी-04 वर्ष 2019-20 के दौरान उपलब्धियां

नाम	प्रतियोगिता का नाम	श्रेणी (रैंक)	राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय
अहितग्नि सेन	निवेश बैंकिंग में प्रमाणन, फिनशिक्षा में तीसरा स्थान	3रा	राष्ट्रीय
अभिषेक चक्रवर्ती	अभिव्यक्ति, आर्टिकल लेखन, आईआईटी-बॉम्बे	2रा	राष्ट्रीय
मैथ्यू केजे	प्रीसिपिस, केस स्टडी, आईआईएम इंदौर	1ला	राष्ट्रीय
मैथ्यू केजे	मंथन, केस स्टडी, अरुण्या 4.0, आईआईएम अमृतसर	1ला उपविजेता	राष्ट्रीय
मैथ्यू केजे	सृजन, केस स्टडी, अरुण्या 4.0, आईआईएम अमृतसर	1ला	राष्ट्रीय
आयुष दबास	टीवीएस क्रेडिट नीति स्पर्धा	राष्ट्रीय फाइनलिस्ट (शीर्ष 10)	राष्ट्रीय
आयुष दबास	एल एंड टी आउटथिंक	कैंपस विजेता (राष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष 24)	राष्ट्रीय
मोहित चौबे	अर्थ-अर्थ, सोलारिस 2019, आईआईएम उदयपुर	1ला	राष्ट्रीय
मोहित चौबे	इकोशास्त्र, एनएमआईएमएस मुंबई, 2019	1ला	राष्ट्रीय
मोहित चौबे	वॉर ऑफ वड्र्स, अरुण्या 4.0, आईआईएम अमृतसर	1ला	राष्ट्रीय
मोहित चौबे	जीनोसिस, एनएमआईएमएस, 2018	2रा	राष्ट्रीय
शुभम खंडेलवाल	एप्लाइड डेरिवेटिव्स (एडवांस लेवल), में प्रमाणन, फिनशिक्षा	1ला	राष्ट्रीय

4.7 कक्षा से अधिक:

छात्र क्लब और पहल

1. आईआईएम अमृतसर में छात्रों की गतिविधियाँ यह विभिन्न छात्र समितियों और रुचि समूहों द्वारा संचालित की जाती हैं। छात्रों ने शैक्षिक वर्ष 2019-2020 में वार्षिक उत्सव, सम्मेलन, कार्यशालाएं और मैराथन आदि का आयोजन किया।

क- मानव संसाधन, विपणन और वित्त, संचालन और कार्यनीति जैसे प्रमुख प्रबंध क्षेत्रों से संबंधित तीन प्रबंध सम्मेलन आयोजित किए गए।

- **युक्ति'19 - युक्ति'19 - चौथा वार्षिक एचआर सम्मेलन, आईआईएम अमृतसर** यह शनिवार, 10 अगस्त 2019 को आयोजित किया गया था। इस वर्ष, पैनल चर्चा के लिए

शीर्ष विषय 'कार्यबल की प्रकृति और पारंपरिक कार्य संस्कृति के प्रति दृष्टिकोण में बदलाव' यह था, जिस पर दो सत्रों में चर्चा की गई।

सुबह का सत्र "भारत में गिग कार्यबल को नियोजित करने में चुनौतियाँ और अवसर" इस विषय पर था। पहली चर्चा में निम्नलिखित प्रख्यात सदस्य यह पैनल पर उपस्थित थे:

- श्री राजेंद्र मेहता, मुख्य लोक अधिकारी, डीएचएफएल
- सुश्री सोनाली मजूमदार, मानव संसाधन प्रमुख, सफारी उद्योग
- श्री विवेक त्रिपाठी, सीएचआरओ, बीबा अपेरल्स
- श्री समीर माथुर, निदेशक मानव संसाधन, रॉयल बैंक ऑफ स्कॉटलैंड
- श्री प्रशांत श्रीवास्तव, द अदर टू थर्ड कंसल्टिंग के संस्थापक और सीईओ

दोपहर का सत्र यह "आधुनिक कार्यस्थल में जेन-जेड को समायोजित करना" इस विषय को समर्पित था। दूसरी चर्चा में निम्नलिखित विशिष्ट सदस्य यह पैनल पर उपस्थित थे:

- श्री संदीप त्यागी, निदेशक मानव संसाधन, सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स
- श्री दिलीप सिन्हा, मानव संसाधन प्रमुख, रिलायंस रिटेल
- सुश्री यामिनी कृष्णन, निदेशक- मानव संसाधन दक्षिण एशिया, आईक्यूवीआईए
- डॉ. योगेश मिश्रा, उपाध्यक्ष, थॉमस असेसमेंट
- श्री संदीप बत्रा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं मानव संसाधन प्रमुख, वोडाफोन आइडिया
- श्री राज धर्मराज, मानव संसाधन प्रमुख, कॉग्निजेंट टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस

- **परिप्रेक्ष्य'19 - चौथा वार्षिक वित्त और विपणन सम्मेलन, आईआईएम अमृतसर, का आयोजन 12 अक्टूबर 2019 को किया गया था।** सम्मेलन को दो पैनलों में विभाजित किया गया था, सुबह का पैनल वित्त विषय पर और दोपहर का सत्र विपणन पर केंद्रित थे। वित्त पैनल का विषय "बीएफएसआई क्षेत्र का बदलते परिदृश्य" था और निम्नलिखित सदस्य यह पैनल पर उपस्थित थे:
  - डॉ. हर्षवर्धन रघुनाथ, पार्टनर/वरिष्ठ सलाहकार, बैन एंड कंपनी
  - श्री जयकुमार शाह, उप सीएफओ, टाटा कैपिटल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड
  - श्री रोहित पटोरिया, प्रमुख, योजना और नियंत्रण, एचडीएफसी बैंक
  - श्री राकेश सिंघानिया, सीएफओ, वेल्स फारगो इंडिया
  - श्री कपिश जैन, सीएफओ, पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड
  - श्री सुदीप्तो रॉय, संस्थापक एवं निदेशक, फिनलैब्स इंडिया प्रा. लिमिटेड

- श्री आशुतोष बिश्नोई, एमडी एवं सीईओ, महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड

दोपहर का सत्र यह " ध्वनि खोज (वॉईस सर्च) और आभासी सहायकों (वर्चुअल असिस्टेंट) के युग में विपणन" इस विषय को समर्पित था। निम्नलिखित प्रख्यात सदस्य यह पैनल पर उपस्थित थे:

- श्री बालाजी विद्यानाथन, विपणन निदेशक, सीमिया, फ्रैंकलिन टेम्पलटन
- सुश्री अर्चना सिन्हा, वरिष्ठ निदेशक, कॉर्पोरेट मार्केटिंग, सेल्सफोर्स 18
- श्री समीर सेठ, निदेशक विपणन, डॉल्बी प्रयोगशालाओं
- श्री सुदर्शन आर, प्रमुख, विपणन संचालन, डेल ईएमसी
- श्री अमित त्यागी, सीएमओ, सोनाटा सॉफ्टवेयर लिमिटेड
- श्री प्रसेनजीत रॉय, वरिष्ठ कार्यकारी उपाध्यक्ष और सीएमओ, एनटीटी कॉम-नेटमैजिक

- **संक्षेत्र'19- तृतीय वार्षिक संचालन एवं कार्यनीति सम्मेलन आईआईएम अमृतसर** का आयोजन शनिवार, 9 नवंबर 2019 को किया गया था।

संचालन पैनल चर्चा "अप्रत्याशित प्रबंध: अवरोधों और जटिलताओं के बीच लचीला आपूर्ति श्रृंखला का निर्माण।" इस विषय से संबन्धित हुई। इस चर्चा में निम्नलिखित प्रख्यात सदस्य पैनल पर उपस्थित थे:

- श्री सलिल कपूर, परामर्शदाता, सप्लाई चेन लैब्स
- श्री विकास भास्कर, प्रमुख सॉल्यूशंस डिजाइन- कार्यक्रम प्रबंधन और व्यवसाय उत्कृष्टता, स्टेलर वैल्यू चेन सॉल्यूशंस प्रा. लिमिटेड
- श्री रामनाथ सदाशिवन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं प्रमुख, वितरण तथा रसद, रिलायंस रिटेल- फैशन और लाइफस्टाइल

- श्री जॉयदीप सरकार, मुख्य परिचालन अधिकारी, हाइकेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड
- डॉ. राकेश सिन्हा, वैश्विक प्रमुख - आपूर्ति श्रृंखला, विनिर्माण और आईटी, गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड
- श्री शैलेन शुक्ला, प्रमुख, लॉजिस्टिक्स, जंबो इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी लिमिटेड

कार्यनीति पैनल चर्चा यह "प्रतिस्पर्धी लाभ निर्माण करने में गतिशील रूप से टिकाऊ दृष्टिकोण" इस विषय के संबन्धित थी। कार्यनीति विषय के लिए निम्नलिखित सम्मानित सदस्य यह पैनल पर उपस्थित थे:

- श्री सौरभ सैठ, मुख्य परिचालन अधिकारी, ओरियन न्यूट्रीशनल्स प्राइवेट लिमिटेड
- श्री अंकुर धवन, मुख्य परिचालन अधिकारी, बडी4स्टडी
- श्री सतीश पांडे, प्रमुख, कार्यनीति, विपणन एवं कॉर्पोरेट गुणवत्ता प्रबंध, सीमेंस
- श्री अविनाश चंद्र, वरिष्ठ निदेशक, कैपजेमिनी
- श्री आदित्य सिंह, प्रमुख- ज्वैलरी अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, टाइटन कंपनी लिमिटेड
- श्री अनुज चोपड़ा, प्रमुख (सीनियर जीएम) - कार्यनीति एवं परिचालन, हायर

ख- "स्पॉटलाइट" के दूसरे संस्करण के लिए : भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर की फ्लैगशिप अतिथि व्याख्यान श्रृंखला, उद्योग संपर्क प्रकोष्ठ (इंडस्ट्री इंटरेक्शन सेल) ने 5 अभ्यागतों की मेजबानी की।

सत्रों का विवरण तालिका 5 में दिया गया है:

तालिका 5

	वक्ता	विषय
1	श्री हर्ष पारिख, सह-संस्थापक और निदेशक, ड्रिफकेस हेल्थ टेक प्राइवेट लिमिटेड	वित्त और उद्यमिता
2	श्री अनिल नायर, प्रबंध निदेशक, कंट्री डिजिटल एक्सेलेरेशन, सिस्को एपीजेसी	भारत में डिजिटल परिवर्तन
3	श्री सिद्धार्थ बालकृष्ण, पूर्व प्रबंध निदेशक - सिटी नेटवर्क और मुख्य कार्यनीति अधिकारी, एस्सेल (झी) समूह	कार्यनीतिक और विश्लेषणात्मक सोच दृष्टिकोण का विकसिन
4	श्री मनीष गुप्ता, प्रबंध निदेशक, सचिन गुप्ता एंड	एफएमसीजी उद्योग में खुदरा

	एसोसिएट्स	मापन
5	श्री एस के बोस, प्रभारी कार्यकारी निदेशक, मानव संसाधन, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के	कर्मचारी उपयोगिता प्रस्ताव

उद्यमिता केंद्र, आईआईएम अमृतसर ने अपने अतिथि व्याख्यान के लिए प्रसिद्ध राष्ट्रव्यापी क्विज मास्टर, श्री गिरि बालासुब्रमण्यम को आमंत्रित किया। इसमें, श्री गिरि ने हिंदुस्तान टाइम्स में एक सफल कॉर्पोरेट करियर से अपनी स्वयं की कंपनी ग्रेकैप्स आरंभित करने के अपने अनुभवों को साझा किया। सीओई ने अतिथि व्याख्यान ई-टॉक्स के एक भाग के रूप में श्री अंकित दोशी, शिक्षा क्षेत्र में एक प्रसिद्ध व्यक्तित्व और आईआईएम इंदौर के पूर्व छात्रों की भी मेजबानी की है।

वित्त एवं अर्थशास्त्र क्लब की प्रस्तुती की श्रृंखला में नवीनतम जोड़ एक छात्र-प्रबंधित निवेश फंड है, जिसमें एफएंडओ और इंट्राडे ट्रेडिंग के क्षेत्र के विशेषज्ञ सहभागी हैं। जीआईएफ टीम प्रबंध के तहत साप्ताहिक कंपनी प्रतिवेदन और अपने पोर्टफोलियो की मासिक फैक्ट शीट जारी करती है।

एफईसी ने छात्रों को ज्ञान प्रदान करने के लिए अतिथि व्याख्यान के एक भाग के रूप में 20 वेलिंगटन मैनेजमेंट सिंगापुर, सीएलएसए हांगकांग, वेल्स फारगो, ड्यूश बैंक, बैंक ऑफ अमेरिका मेरिल लिंच आदि कंपनियों के सीएफओ और वरिष्ठ प्रबंध की भी आमंत्रित किया।

मार्कोफिलिक, मार्केटिंग क्लब, आईआईएम अमृतसर ने प्रतिभागियों के मार्केटिंग कौशल का परीक्षण करने के लिए एक महीने तक चलने वाली क्विज़ की तीन-स्तरीय श्रृंखला मार्कचैम्प सीरीज़ का आयोजन किया।

आईआईएम अमृतसर के **एनालिटिक्स अँड बिजनेस क्लब** ने छात्रों के बीच वैश्लेषिकी के संबंध में ज्ञान और रुचि प्रदान करने के लिए R और Tableau के साथ डेटा प्रोग्रामिंग पर सत्र आयोजित किए।

एचआरथ्वी - एचआयआर क्लब ऑफ आईआईएम अमृतसर ने अपनी श्रृंखला करियर क्लिनिक 4.0 के तहत एक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया। कैरियर क्लिनिक सत्र में छात्रों को संबोधित करने के लिए काव्यता की संस्थापक सुश्री कविता नीलकांतन को आमंत्रित किया गया था।

डेकाथलॉन अमृतसर के सहयोग से 5 किमी मैराथन **रनभूमि** का तीसरा संस्करण स्वतंत्रता दिवस, 15 अगस्त 2019 को गो-ग्रीन की विषयवस्तु का उत्सव मनाने के लिए आयोजित

किया गया था। कुल 400 से अधिक, जिसमें एनसीसी, डेकाथलॉन के धावक और अमृतसर के नागरिक, सहभागी थे।

अरुण्य- 4.0 (आईआईएम अमृतसर का वार्षिक उत्सव) 8 और 9 फरवरी 2020 को आयोजित किया गया था। आईआईएम, आईआईटी, एनआईटी, एमडीआई, आईआईएफटी आदि जैसे प्रमुख महाविद्यालयों के छात्रों ने कई प्रबंध, सांस्कृतिक और खेल आयोजनों में भाग लिया। इस उत्सव को यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, केनरा बैंक, अमनदीप हॉस्पिटल्स, जेब्रोनिक्स, सेफ एक्सप्रेस आदि कॉरपोरेट्स ने उत्साहपूर्वक समर्थन दिया। लेफ्टिनेंट जनरल केजे सिंह - पीवीएसएम एवीएसएम और बार (दीर्घानुभवी) हरियाणा राज्य सूचना आयुक्त अमृतसर एवं पूर्व पश्चिमी सेना कमांडर इनको उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था तथा श्री. शिवदुलार सिंह ढिल्लों; उपायुक्त, अमृतसर और कर्नल भूपिंदर सिंह झास जनरल स्टाफ (स्टाफ ड्यूटी) समापन समारोह के मुख्य अतिथि थे। द लोकल ट्रेन, एएलओ द बैंड और सन बर्न जैसे प्रसिद्ध कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति दी।

4.8 सामुदायिक सहभागिता

IIM students to coach schoolkids for competitive examinations

AMRITSAR, NOVEMBER 18

Young management students of the Indian Institute of Management, Amritsar, are making sure to serve their bit to society through Sankalp, a CSR club of the institute.

The group of 56 students is creating awareness on social issues, holding activities and involving others students for the same. Students are also addressing issues such as drug menace, water conservation, and environment and plantation drive among others. Soon, they will coach school students for various competitive exams under their school programme.

Until last year, the institution was working with a Manawala-based school. Students there managed to crack competitive examinations with help from the club. Manoj, senior coordinator of the club, said: "The idea behind the formation of the club is to help young graduates understand social issues." "We are going to begin the school programme in the month of December. School students will be taught by members of the club," added Manoj. — TNS

Students after a planation drive at the IIM, Amritsar. TRIBUNE PHOTO

SAFE BLOOD TRANSFUSION

adlakha Blood Bank

आइआइएम के विद्यार्थियों ने स्पेशल स्कूल का किया दौरा

जागरण संवाददाता, अमृतसर : आइआइएम अमृतसर के विद्यार्थियों के सीएसआर क्लब की ओर से स्थानीय स्माइल स्पेशल स्कूल का दौरा किया।

आइआइएम के मीडिया प्रभारी प्रो. मुकेश झा और करण कुमार ने बताया कि संस्थान के सीएसआर क्लब ने हमेशा समाज को विशेषकर वंचित वर्ग को, प्यार और प्रोत्साहन देने की एक विचारधारा दी है और अन्य संस्थानों के प्रबंधकों को भी ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित किया है। इन विचारों को ध्यान में रखते हुए आइआइएम अमृतसर के सीएसआर क्लब ने स्माइल स्पेशल स्कूल का दौरा कर वहां के विद्यार्थियों के साथ अपने विचार साझा किए।

इस दौरान स्कूल फॉर स्पेशली-एबल्ड चिल्ड्रन के साथ गणतंत्र दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया। यह मानसिक रूप से दिव्यांग, आत्म केंद्रित, धीमी गति से सीखने वाले और सेरेब्रल पालिसी विद्यार्थियों के लिए एक स्कूल है। स्कूल का आदर्श है 'चलो आत्म निर्भरता की ओर आगे बढ़ना है'।

आइआइएम विद्यार्थियों ने स्कूल के छात्रों के मानसिक विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए उनकी भावनाओं को जानने की कोशिश की। उन्होंने देखा कि इन छात्रों को स्कूल की ओर से कैसे व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे आत्म निर्भर बन सकें।

वर्तमान में पांच से 25 आयु वर्ग के बीच लगभग 40 छात्र स्कूल में मौजूद हैं।

पीजीपी कार्यक्रम के पांचवें बैच ने 7 जुलाई 2019 को सामाजिक रूप से जिम्मेदार प्रबंधकों को बनाने हेतु आईआईएम अमृतसर की विरासत को जारी रखते हुए परिवर्तन की अपनी यात्रा की शुरूआत की। **संकल्पः आईआईएम अमृतसर के सोशल सर्विस क्लब** ने नव-नियुक्त छात्रों के लिए एक नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता, 'मदारी' हमारे समाज में व्याप्त समस्याओं, भविष्य के नवोदित प्रबंधकों के रूप में उनकी जिम्मेदारियों के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए और उन्हें आईआईएम अमृतसर में की गई सीएसआर गतिविधियों की एक झलक देते हुए वर्ष की शुरुआत हुई। इस आयोजन में अधिनियमित विषय थे: जल बचाओ पृथ्वी बचाओ, भारत में वृद्ध लोगों की समस्याएं, प्राणी बचाओ, आदि, कार्यक्रमों के साथ एक परिचय समारोह आयोजित किया।

स्वतंत्रता दिवस पर, हमारे प्रधान मंत्री की 'स्वच्छ और हरित भारत' की पहल का समर्थन करने के लिए, छात्रों और संकाय सदस्यों की भागीदारी के साथ रैडिसन ब्लू होटल की सहायता से छात्रावास परिसर में एक वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया गया था। आईआईएम अमृतसर समुदाय ने 'स्वच्छता पखवाड़ा' को प्रोत्साहित करने के लिए एक

जागरूकता अभियान भी चलाया। छात्रों ने स्वच्छता पखवाड़ा के बारे में जागरूकता निर्माण करने हेतु एक वीडियो तैयार किया, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया कि हम अपने आस-पास के नलों में छोटे-छोटे रिसावों की मरम्मत करके पानी की कितनी मात्रा बचा सकते हैं और "हर बूंद कीमती है" का प्रचार किया।

सत्यनिष्ठा एक प्रबंध का एक महत्वपूर्ण गुण है और उसी को प्रोत्साहित देने के लिए आईआईएम अमृतसर ने सतर्कता सप्ताह (28-10-2019 से 02-11-2019) के दौरान " सत्यनिष्ठा: एक जीवनमार्ग" आदर्श वाक्य के साथ एक ऑनलाइन अभियान चलाया। अभियान दो भागों में चलाया गया: पहले भाग में, बैंक अधिकारियों, शिक्षकों और छात्रों के साथ उनके मूल्यों, सतर्क रहने की उनकी समझ और वे अपने जीवन में सत्यनिष्ठा को कैसे शामिल करते हैं, के बारे में जानने के लिए कई साक्षात्कार आयोजित किए गए। इन प्रतिक्रियाओं को संकल्प: आईआईएम अमृतसर की सोशल मीडिया साइट के सोशल सर्विस क्लब पर अधिकतम पहुंच के लिए प्रसारित किया गया था। दूसरे भाग में अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में "एक प्रबंधक के जीवन में सत्यनिष्ठा" विषय पर एक अंतर-महाविद्यालयीन ऑनलाइन आर्टिकल लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। इस आयोजन का उद्देश्य विभिन्न पृष्ठभूमि और विभिन्न कॉलेजों के छात्रों को अपने प्रबंधकीय जीवन में नैतिकता को शामिल करने के तरीके के बारे में अपने विचार साझा करने के लिए प्रोत्साहित करना था।

संकल्प ने **10 नवंबर 2019** को **रक्तदान शिविर** का भी आयोजन किया और इस कार्यक्रम में संकाय, कर्मचारियों और छात्रों ने भाग लिया।

संस्थान ने 19 नवंबर 2019 को आरबीएल बैंक द्वारा **उम्मीद 1000 साइक्लोथॉन, सीएसआर पहल** का आयोजन किया, जो बालिका शिक्षा का समर्थन करने के लिए निधि संग्रह करती है। श्री विश्ववीर आहूजा, एमडी और सीईओ, आरबीएल बैंक लिमिटेड, सुश्री शांता वल्लुरी गांधी, प्रमुख एचआर-सीएसआर एवं आंतरिक ब्रांडिंग, आरबीएल बैंक लिमिटेड, सुश्री तमन्ना भाटिया, एक प्रसिद्ध अभिनेत्री और अन्य जैसे गणमान्य व्यक्ति इस नेक काम का समर्थन करने के लिए उपस्थित थे। इस अभियान को सक्रिय रूप से समर्थन देने के लिए आईआईएम अमृतसर के छात्र और उत्साही बड़ी संख्या में इकट्ठे हुए और आरबीएल बैंक के कर्मचारियों, जिन्होंने सफलतापूर्वक 1000 किलोमीटर की यात्रा पूरी की, उनको उत्साहित किया।

छात्र परिषद ने विभिन्न क्लबों और समितियों की मदद से मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया।

आईआईएम अमृतसर के छात्रों और शिक्षकों ने भी दिव्यांग बच्चों के एक स्कूल का भेंट दी। "हर बच्चे के पास कुछ विशेष उपहार होता है, और अगोश होल्डिंग हैंड्स के बच्चों को उनके

पास आने वाले लोगों के लिए बहुत प्यार होता है" इन शब्दों के साथ **अगोश होल्डिंग हैंड्स स्कूल फॉर स्पेशियली-एबल्ड** के प्राचार्य ने छात्रों का स्वागत किया। स्कूली बच्चों ने भी नृत्य और गायन का हुनर दिखाकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। अंत में, एक चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई, और विजेताओं और प्रतिभागियों को उपहार प्रदान किए गए।

संस्थान ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर विशेष रूप से दिव्यांग बच्चों के स्कूल में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया। संकल्प- आईआईएम अमृतसर के सोशल सर्विस क्लब ने विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए स्माइल फाउंडेशन- स्कूल में एक कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में आईआईएम अमृतसर के छात्रों और स्माइल स्पेशल स्कूल के छात्रों, नृत्य प्रदर्शन और खेलों और अनौपचारिक चर्चा में सहभागी हुए। इसके व्यतिरिक्त, आईआईएम अमृतसर की छात्र परिषद और सांस्कृतिक समिति की सहायता से अरुण्या 4.0 के लिए हमारे विषय के अनुरूप राष्ट्रीय एकता पर अटारी सीमा पर एक नृत्य प्रदर्शन का आयोजन किया गया।

इस वर्ष संकल्प, आईआईएम अमृतसर के सोशल सर्विस क्लब ने हमारे वार्षिक कार्यक्रम अरुण्या 4.0 के एक भाग के रूप में प्रतिभाशाली विशेष बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर देने के लिए लिए एक सांस्कृतिक कार्यक्रम- "प्रेरणा" का आयोजन किया। 8 फरवरी 2020 को विभिन्न स्कूलों के लगभग 30 विशेष रूप से दिव्यांग बच्चों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

4.9 डॉक्टरल शिक्षाक्रम

आईआईएम अमृतसर ने शैक्षणिक वर्ष 2020-21 में अपना डॉक्टरेट कार्यक्रम शुरू किया। यह एक पूर्णकालिक आवासीय डॉक्टरेट कार्यक्रम है। कार्यक्रम का उद्देश्य उच्च गुणवत्ता वाले शोधकर्ताओं और प्रभावी प्रबंध अध्यापकों का निर्माण करना है। कार्यक्रम की संरचना में दो वर्ष के दृढ़ पाठ्यक्रम कार्य के बाद दो वर्ष का शोध कार्य शामिल है, जिससे व्यावहारिक प्रभाव के साथ एक अच्छी गुणवत्ता वाला शोध प्रबंध होगा। शोध के दायरे और छात्र के शोध कार्य की सकारात्मक प्रगति के आधार पर शोध कार्य को एक और वर्ष के लिए बढ़ाया जा सकता है। पाठ्यक्रम के दौरान, डॉक्टरेट छात्रों को प्रबंध के सभी कार्यात्मक क्षेत्रों, अनुसंधान रुचि के क्षेत्र में उन्नत पाठ्यक्रम, और गुणात्मक एवं मात्रात्मक अनुसंधान विधियों दोनों में एक कठोर प्रशिक्षण से अवगत कराया जाता है। पाठ्यक्रम के अंत में, डॉक्टरेट छात्रों को एक व्यापक परीक्षा के अधीन किया जाता है। जो छात्र सफलतापूर्वक परीक्षा पूर्ण करते हैं, वह अपना शोध कार्य कर सकते है। छात्र के शोध कार्य का मार्गदर्शन अनुसंधान सलाहकार समिति द्वारा किया जाएगा, जिसका नेतृत्व संबंधित अनुसंधान अनुभव वाले संकाय सदस्य करते है।

आईआईएम अमृतसर डॉक्टरेट छात्रों को उनकी निर्वाह आवश्यकताओं और उनकी शोध गतिविधियों का सहायता करने के लिए आवश्यक अनुदान के लिए सीमित डॉक्टरेट फेलोशिप प्रदान करता है। एक तरह से डॉक्टरेट कार्यक्रम के माध्यम से आईआईएम अमृतसर का उद्देश्य उच्च गुणवत्ता वाले शोधकर्ताओं और प्रभावी प्रबंध अध्यापकों की भविष्य की सामाजिक आवश्यकताओं में योगदान देना है।

5. संकाय विशेषताएं

5.1 संकाय संरचना और विविधता

वर्ष 2019-20 में कई संकाय विदाई और नई नियुक्तियां देखी गई। प्रो. गीता (विपणन), नीरज भनोट (उत्पादन एवं संचालन प्रबंध), अनिता शर्मा (उद्यमिता), और सतीश कुमार (वित्त) ने कहीं और अवसर के कारण इस संस्थान को छोड़ दिया।

उसी समय, कई नए संकाय सदस्य प्रभावशाली अर्हताओं के साथ संस्थान से जुडे है।

तालिका 6

नाम	डॉक्टरेल संस्थान	अध्यापन विषय
डॉ महिमा गुप्ता	आईआईएम- लखनऊ	उत्पादन और संचालन प्रबंध
डॉ. हरप्रीत कौर	आईआईटी- दिल्ली	उत्पादन और संचालन प्रबंध
डॉ. दीपा मिश्रा	आईआईटी - कानपुर	उत्पादन और संचालन प्रबंध
डॉ उमेश कुमार	आईआईटी – रुड़की	संगठनात्मक व्यवहार \ मानव संसाधन प्रबंध
डॉ. अमित गुप्ता	युनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैंड,	संगठनात्मक व्यवहार \ मानव संसाधन

	यूएसए	प्रबंधन
डॉ वर्तिका दत्ता	आईआईटी - खड़गपुर	संगठनात्मक व्यवहार \ मानव संसाधन प्रबंधन
डॉ अरुण कौशिक	आईआईटी – रुड़की	विपणन
डॉ. गुरजीत कौर	जेएनयू	विपणन
डॉ गुरबीर सिंह	आईआईएम - इंदौर	विपणन
डॉ. संतोष कुमार तिवारी	आईआईएम - इंदौर	कार्यनीति
डॉ. निशा बमेल	आईआईटी - दिल्ली	कार्यनीति
डॉ मधु जगलान	जेएनयू	आईटी एवं कम्प्यूटेशनल प्रणाली
डॉ. पूर्वा ग्रोवर	आईआईटी - दिल्ली	आईटी एवं कम्प्यूटेशनल प्रणाली
डॉ सुरेंद्र राव कोमेरा	आईएफएमआर, चेन्नई	वित्त
डॉ मुकेश कुमार झा	जेएनयू	संचार

5.2 संकाय द्वारा बौद्धिक योगदान

आईआईएम - अमृतसर शिक्षा और अनुसंधान को समान महत्व देता है। संस्थान संकाय सदस्यों को उनके शिक्षण के क्षेत्र से संबंधित बौद्धिक गतिविधियों में संलग्न होने के लिए प्रोत्साहित करता है और संकाय विकास निधि, डेटाबेस और पुस्तकालय संसाधनों, अकादमिक सहयोगियों के माध्यम से उनके शिक्षण और अनुसंधान गतिविधियों का समर्थन करने के लिए उनके विकास के लिए पर्याप्त सहायता प्रदान करता है। विभिन्न समर्थन प्रणालियों का एक स्वाभाविक परिणाम उनके द्वारा उत्पादित बौद्धिक योगदान है। अनुसंधान, यह प्रायः अनिश्चित परिणामों के साथ, एक सतत गतिविधि है। फिर भी, संस्थान को हितधारकों के साथ यह बताते करते हुए खुशी हो रही है कि इसके संकाय सदस्यों ने अनुसंधान योगदान के सबंधित बहोत अच्छा प्रदर्शन किया है। इस वर्ष हमारे संकाय ने सम्मेलनों में नौ शोध पत्र प्रस्तुत किए, शोध पत्रिकाओं में नौ जर्नल लेख प्रकाशित किए, और एक पुस्तक अध्याय प्रकाशित किया। इन परिणामों में अभी तक संपन्न न हुए सम्मेलन, जिनके प्रस्तुति के लिए स्वीकृत जर्नल लेखों और शोध पत्रों को शामिल नहीं किया गया है। संकाय सदस्यों द्वारा जर्नल प्रकाशन और उनके गुणवत्ता सूचकांक तालिका 7 और 8 में दिए गए हैं।

तालिका 7: वर्ष 2019-2020 के लिए अनुसंधान निष्पत्ति का सारांश

संकाय	जर्नल	सम्मेलन	पुस्तक अध्याय	प्रकरण	पेटेंट	अन्य
नागराजन रामामूर्ति	1	1	0	0	0	0
अमित गुप्ता	2	1	0	0	0	0
अरुण के कौशिक	1	3	1	0	0	0
गुरजीत कौर	2	0	0	0	0	0
हरप्रीत कौर	0	2	0	0	0	0
महिमा गुप्ता	0	2	0	0	0	0
मुकेश कुमार झा	2	0	0	0	0	0
निशा बमेल	0	1	0	0	0	0
संतोष कुमार तिवारी	0	1	0	0	0	0
उमेश कुमार	3	3	0	0	0	0

अनुसंधान की गुणवत्ता

आईआईएम अमृतसर, अन्य आईआईएम सहित अन्य प्रमुख अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक संस्थानों के अनुरूप, अनुसंधान गुणवत्ता का मूल्यांकन करने के लिए ऑस्ट्रेलियन बिजनेस डीन काउंसिल (एबीडीसी) रैंकिंग और चार्टर्ड एसोसिएशन ऑफ बिजनेस स्कूल (एबीएस) रैंकिंग का उपयोग करता है। आईआईएम अमृतसर के संकाय द्वारा प्रकाशित शोध की गुणवत्ता नीचे दी गई है:

तालिका 8: अनुसंधान गुणवत्ता (वर्ष 2019-2020)

अनुसंधान गुणवत्ता (एबीडीसी रैंकिंग)	लेखों की संख्या	एबीएस रैंकिंग	लेखों की संख्या
ए*	1	4*	-
ए	2	4	1
बी	2	3	1
सी	3	2	-
		1	5
अन्य	1		2
कुल	9		9

1/4/2019 से 31/3/2020 तक प्रकाशित जर्नल लेख

1. **रामामूर्ति, एन., यू, सी., कुलकर्णी, एस.पी., गुप्ता, ए., और मकाम्वा, टी**. (2019) An Examination of Attributions, Performance Ratings, and Reward Allocation Patterns: A comparative study of China, India, Tanzania, and the United States. मानव संसाधन प्रबंधन के दक्षिण एशियाई जर्नल, 6(2), 202-221 (एबीडीसी सी; एबीएस 1)
2. **बमेल, यू.के., पांडे, आर, और गुप्ता, ए.** (2020) Safety climate: systematic literature network analysis of 38 years (1980-2018) of research. *दुर्घटना विश्लेषण और रोकथाम* 135, 105387. (ABDC ए*; एबीएस 3)
3. **कौशिक, ए.के., मोहन, जी., और कुमार, व्ही.** (2020) Examining the Antecedents and Consequences of Customers' Trust toward Mobile Retail Apps in India जर्नल ऑफ इंटरनेट कॉमर्स, 19(1), 1-31. (एबीडीसी बी; एबीएस 1)
4. साही, जी.के., देवी, आर., और दास, एस.बी. (2019) Examining the role of customer engagement in augmenting referral value: The moderated-mediation of relational and expertise value. सेवा का जर्नल - सिद्धांत एवं व्यवहार 29(5-6), 539-564 (एबीडीसी ए; एबीएस 1)
5. **साही, जी.के., गुप्ता, एम.सी., लोनियल, एस.सी. और चेंग, टी.सी.ई.** (2019) Operational responsiveness and business performance relationship: Role of entrepreneurial orientation. संचालन और उत्पादन प्रबंध के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल 39(5), 739-766 (एबीडीसी ए; एबीएस 4)
6. **पाराशर, ए., कुमार, एम., और सलूजा, व्ही.** (2019) Discovering India Through Imagery in Postcolonial Travel Writings. पर्यटन संस्कृति एवं संचार, 19(2), 103-110. (एबीडीसी सी)
7. **पाराशर, ए., कुमार, एम.** (2019) Communicating the Quest for Sustainability: Ecofeminist Perspectives in Sarah Orne Jewett's 'A White Heron'. मानव मूल्यों के जर्नल, 25(2), 101-112
8. **गुयेन, द विन्ह, सिएंगथाई, एस., स्विएरज़ेक, एफ., और बामेल, यू.के.** (2019) The effects of organizational culture and commitment on employee innovation: evidence from Vietnam's IT industry. जर्नल ऑफ एशिया बिजनेस स्टडीज 13(4), 719-742 (एबीडीसी सी; एबीएस 1)
9. **पॉल, एच., बामेल, यू., अष्ट, ए., और स्टोक्स, पी** (2019) Examining an integrative model of resilience, subjective well-being and commitment as predictors of organizational citizenship behaviours संगठनात्मक विश्लेषण के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 27(5), 1274-1297 (एबीडीसी बी; एबीएस 1)

सम्मेलन प्रस्तुतियां और कार्यवाही

1. **रामामूर्ति, एन., झा, जे.के., कुलकर्णी, एस.पी., और गुप्ता ए.** (2019) Do Individualism-Collectivism Orientations and Sensitivity to Impact on Human Capital Affect Decisions about Layoffs and Wage Cut? यह शोधपत्र डच एचआरएम नेटवर्क सम्मेलन, टिलबर्ग, नीदरलैंड, नवंबर 2019 में प्रस्तुत किया गया **(सम्मेलन कार्यवाही)**
2. **कौशिक, ए.के., कुमार यू., और कुमार व्ही.** (दिसंबर 2019) Why do Consumers Switch to Technology-based Self-service options? सातवें सम्पूर्ण-आईआईएम विश्व प्रबंध सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया शोधपत्र. आईआईएम रोहतक, भारत
3. **कुमार यू., और कौशिक, ए.के.** (दिसंबर 2019), Twenty-two years of the Journal of Knowledge Management: A Bibliometric and Network Analysis. GLOGIFT 19 में शोधपत्र प्रस्तुत किया गया। आईआईटी रुड़की, भारत
4. **कौशिक, ए.के., मोहन, जी., कुमार, व्ही., और चौहान, एच.** (मई 2019) Does Consumers' Switch between two Service Brands due to Self-service Technologies? 14वें वैश्विक ब्रांड सम्मेलन, बर्लिन, जर्मनी में यह शोधपत्र प्रस्तुत किया गया।
5. **कौर एच., और गुप्ता एम.** (2019) Modelling Resilient Food Grain Storage and Distribution Problem in India, उत्पादन और संचालन प्रबंधन सोसायटी (पीओएमएस) 2019
6. विभाजित समय में संचालन प्रबंधन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन दुनिया को जोड़ने पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 2-4 सितंबर, ब्राइटन यूके
7. **गुप्ता, महिमा और कौर हरप्रीत** (2019) Optimizing Indian Food Grain Storage & Distribution – A multiple objective approach 13वां वार्षिक आईएसडीएसआई सम्मेलन 2019, भारतीय प्रबंध संस्थान संबलपुर, 27-30 दिसंबर, 2019
8. **बमेल, एन., डी., संजय और प्रशर, एस.** (2019) Strategic Flexibility: A Literature Review इनडॅम द्विवार्षिक सम्मेलन में, आईआईएम त्रिची, 2-5 जनवरी, 2020
9. **नंबूदिरी, आर., शेख, आर., तिवारी, एस., और ग़ुलानी, एस.** (जुलाई 2019) Role of Personality Traits and Psychological Capital in Academic Achievement: A Longitudinal Study. प्रबंध कार्यवाही अकादमी में (खंड 2019, नंबर 1, पृष्ठ 18116), ब्रिअरक्लिफ मॅनोर, न्युयॉर्क 10510
10. **तोमर, एन., बमेल, यू.के., और व्होरा, वी** (2019), Mindfulness and Meaningful Work as predictors of Ethical Work Behaviour, मनोवैज्ञानिक पूंजी की मध्यस्थता भूमिका , एआईसीएआर 2019, 30 अगस्त 31 अगस्त, 2019, एस्टन यूनिवर्सिटी, यूके

पुस्तक अध्याय

1. **बेरी, जी.सी., कौशिक, ए.के., और रहमान, झेड.** (2020), विपणन अनुसंधान (छठा संस्करण), नई दिल्ली: टाटा मैकग्रा-हिल

01/04/2019 से 31/3/2020 तक पेटेंट

1. **कुमारी, एम (2020)** *Light weight neural network approach for image semantic segmentation* आवेदन संदर्भ नंबर 202011005834. भारत, बौद्धिक संपदा, भारत

01/04/2019 से 31/3/2020 तक अन्य पूर्ण अनुसंधान

1. **कुमार, बी., श्रीवास्तव, एच.एस., और सिंह, जी. (2020)** Consumers' intention to use environment-friendly ethical transportation medium: A conceptual framework and empirical evaluation परिवहन अनुसंधान भाग एफ: यातायात मनोविज्ञान और व्यवहार 70, 235-248 (एबीडीसी ए) (प्रकाशन के लिए स्वीकृत)
2. **मिश्रा, डी., द्विवेदी, वाई.के., राणा, एन.पी., और हसिनी, ई.** (2019) Evolution of supply chain ripple effect: a bibliometric and meta-analytic view of the constructs उत्पादन अनुसंधान पर अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 1-19 (एबीडीसी ए; एबीएस 3) (प्रकाशन के लिए स्वीकृत)

6. प्लेसमेंट

प्लेसमेंट: एक झलक

वर्ष 2019-20 के प्लेसमेंट सीज़न ने एक बार फिर से छात्रों को रोजगार खोज में सहायता करने के लिए कौशल में परिणत उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने के लिए आईआईएम अमृतसर के संकल्प का उदाहरण दिया। यह वर्ष को अर्थव्यवस्था में सामान्य मंदी और बाद मे कोविड-19 महामारी के कारण मजबूर अप्रत्याशित खतरे के साथ रहा। इन घटनाओं के बावजूद जो की किसी के नियंत्रण से बाहर थे, प्लेसमेंट सीज़न के मुख्य आकर्षण निम्नलिखित अनुसार थे:

- 100% ग्रीष्मकालीन (146 छात्र) और अंतिम (102 छात्र) प्लेसमेंट
- कैंपस भर्ती में 75 कंपनियों की भागीदारी
- प्रति वर्ष 40 लाख रुपये का उच्चतम सीटीसी
- पिछले वर्ष की तुलना में शीर्ष चतुर्थांश के लिए सीटीसी में 15.15% की वृद्धि
- पिछले वर्ष की तुलना में औसत सीटीसी में 3.36% की वृद्धि
- पहली बार परिसर को भेंट देने वाली कंपनियों की संख्या: 58

अंतिम प्लेसमेंट

यशस्वी शैक्षणिक वर्ष 2019-20 के लिए एक उपयुक्त निष्कर्ष में, आईआईएम अमृतसर ने पूरे वर्ष में मामूली आर्थिक मंदी और कोविड-19 महामारी के खतरे के बीच भी अपने एमबीए04 बैच के 100% अंतिम प्लेसमेंट के साथ समापन किया। प्रमुख संकेतकों ने इस वर्ष एक बार फिर ऊपर की ओर रुझान प्रदर्शित करना जारी रखा, औसत सीटीसी रु. 12.61 लाख प्रति वर्ष तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में साधारण वृद्धि के साथ है। उच्चतम घरेलू वार्षिक पैकेज बढ़कर 40 लाख प्रति वर्ष हो गया, जो 90% वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि दर्शाता है। शीर्ष चतुर्थक के लिए औसत में 15.15% की वृद्धि (2018-19 की तुलना में) देखी गई, जो रु. 17.86 लाख प्रति वर्ष से रु. 15.51 लाख प्रति वर्ष है।

प्लेसमेंट अभियान में प्रबंध से विपणन, बिक्री और वित्त जैसे क्षेत्रों मे संचालन क्षेत्रों के साथ कुछ उल्लेखनीय ऑफर के साथ संतुलित मिश्रण देखा गया। संस्थान ने पहली बार, चार बड़ी लेखा फर्मों में से तीन, डेलॉइट, अर्न्स्ट एंड यंग और केपीएमजी द्वारा सलाहकार और परामर्श

भूमिकाओं में छात्रों को दी जाने वाले अवसरों मे अच्छा उछाल देखा है। इसके अलावा, आईआईएम अमृतसर ने अमेज़ॅन, ग्रांट थॉर्नटन, बिसलेरी, आदित्य बिड़ला सन लाइफ इत्यादि के साथ जैसे कई प्रतिष्ठित कंपनीयों जैसे आईसीआईसीआई लोम्बार्ड, आनंद राठी, एक्सेंचर, एलएंडटी और के साथ पहली बार परिसर को भेंट दी है।

तालिका 9,10 और 11 प्लेसमेंट सत्र 2019-20 की मुख्य विशेषताएं उल्लेखित हैं।

तालिका 9: वर्ष 2019 और 2020 के तुलनात्मक संख्या

मैट्रिक्स	2017-19 बैच (एमबीए03)	2018-20 बैच (एमबीए04)
कंपनियों की संख्या (अंतिम)	35	32
कंपनियों की संख्या (ग्रीष्मकाल)	38	48
प्लेसमेंट प्राप्त किए छात्रों की संख्या (अंतिम)	92*	102*
प्लेसमेंट प्राप्त किए छात्रों की संख्या (ग्रीष्मकाल)	107	146
औसत सीटीसी (लाख प्रति वर्ष)	12.20	12.61 लाख प्रति वर्ष
वर्ष दर वर्ष उन्नती	-	3.36%
शीर्ष चतुर्थक के लिए औसत	15.51 लाख प्रति वर्ष	17.86 लाख प्रति वर्ष
वर्ष दर वर्ष उन्नती	-	15.51%

* 2019 में 3 छात्रों और 2020 में 4 छात्रों ने प्लेसमेंट का विकल्प चुना और एक छात्र ने एक वर्ष पूर्ण करने के बाद छोड़ दिया

प्लेसमेंट का उद्योग-वार और क्षेत्र-वार विभाजन

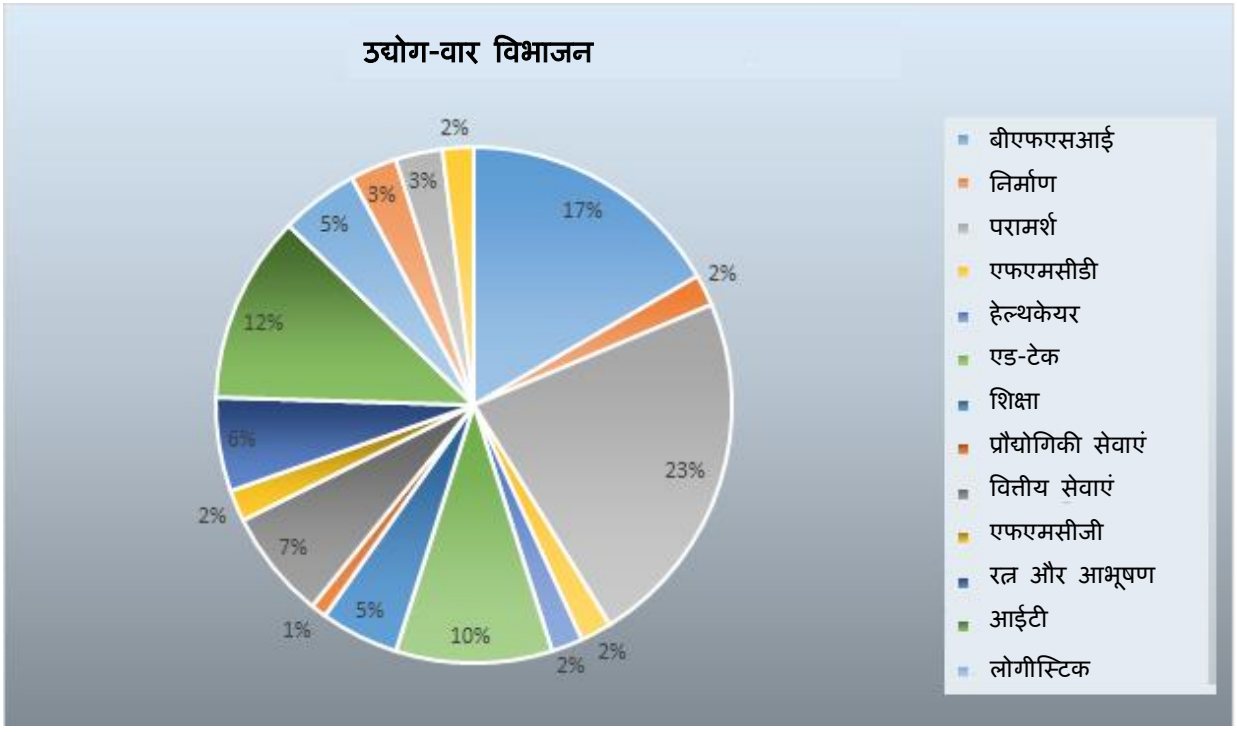

तालिका 10: प्लेसमेंट प्राप्त छात्रों का उद्योग-वार विभाजन

उद्योग	छात्रों की संख्या	उद्योग	छात्रों की संख्या
बीएफएसआई	17	वित्तीय सेवाएं	7
निर्माण	2	एफएमसीजी	2
परामर्श	23	रत्न और आभूषण	6
एफएमसीडी	2	आईटी	12
हेल्थकेयर	2	लोजिस्टिक	5
एड-टेक	10	मीडिया और विज्ञापन	3
शिक्षा	5	अनुसंधान	3
प्रौद्योगिकी सेवाएं	1	एफएमसीजी	2
		कुल	**102**

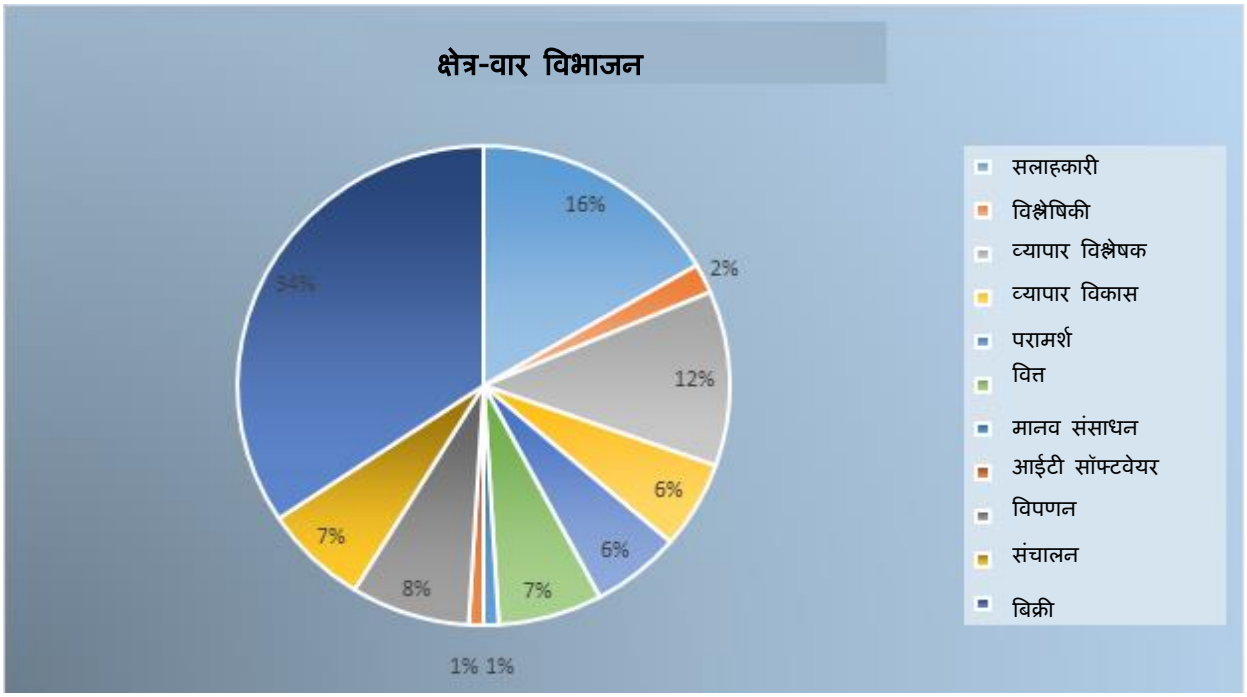

तालिका 11: प्लेसमेंट प्राप्त छात्रों का क्षेत्र-वार विभाजन

उद्योग	छात्रों की संख्या	उद्योग	छात्रों की संख्या
सलाहकारी	17	मानव संसाधन	1
विश्लेषिकी	2	आईटी सॉफ्टवेयर	1
व्यापार विश्लेषक	12	विपणन	8
व्यापार विकास	6	संचालन	7
परामर्श	6	बिक्री	35
वित्त	7		
		कुल	**102**

ग्रीष्मकालीन प्लेसमेंट

संस्थान ने अपने बैच के क्षमता में 50% की वृद्धि होने के बावजूद, अपने सभी पिछले मानक से बेहतर प्रदर्शन करते हुए, अपने पांचवें बैच के 100% ग्रीष्मकालीन प्लेसमेंट किया। इस वर्ष दिया गया उच्चतम स्टायपंड ₹2,50,000 था, जो कि पिछले वर्ष की तुलना में 25% अधिक है। बैच के शीर्ष चतुर्थांश के लिए कुल औसत एवं औसत स्टायपंड क्रमशः ₹62,572 और ₹1,35,357 था। इंटर्नशिप अभियान में आईसीआईसीआई लोम्बार्ड, सिप्ला, लैंडमार्क, एलएंडटी, नीलसन, क्रिसिल, ग्रुपएम, आदि जैसे प्रमुख नियोक्ताओं से उल्लेखनीय प्रतिक्रिया देखी गई, जिसमें व्यवसाय विकास, संचालन और विश्लेषण, आपूर्ति श्रृंखला, वित्त और बाजार अनुसंधान सहित कई भूमिकाओं पर नियुक्तियां की गईं। नियोक्ताओं ने संस्थान के प्रतिभा समूह की विविधता और गुणवत्ता के लिए आईआईएम अमृतसर की प्रशंसा की, जिससे संस्थान की उद्योग-अकादमिक साझेदारी को बढ़ावा देने में सहायता प्राप्त हुई है। आईआईएम अमृतसर नियोक्ताओं को उनके निरंतर समर्थन के लिए अपना परम आभार व्यक्त करता है।

7. कार्यकारी शिक्षा एवं परामर्श

सीबीएसई कार्यक्रम

वर्ष 2019-20 के दौरान, आईआईएम अमृतसर ने कार्यकारी शिक्षा में अपनी नम्र शुरुआत की। संस्थान ने 15-18 जनवरी 2020 की अवधि के दौरान सीबीएसई के स्कूल प्रधानाचार्यों के लिए अपना पहला एमडीपी कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम की प्रारंभिक प्रतिक्रिया लगभग 49 पंजीकरणों के साथ अदभूत थी। हालांकि, सीबीएसई प्रशासकों के एक और अनिवार्य प्रशिक्षण के आयोजन का समय समान होने के कारण, कार्यक्रम में केवल नौ प्राचार्य ने भाग लिया। हालांकि, यह उल्लेखनीय है कि आईआईएम-अमृतसर कार्यक्रम आयोजित करने वाला यह एकमात्र आईआईएम था, जबकि अन्य सभी आईआईएम ने कार्यक्रम को रद्द कर दिया था। इस कार्यक्रम में राजस्थान, महाराष्ट्र, बिहार, उत्तराखंड और पंजाब के स्कूल प्रधानाचार्यों का विविध प्रतिनिधित्व था।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य यह प्रधानाचार्य और शिक्षक अपने स्कूलों के दिन-प्रतिदिन के कामकाज में उपस्थित होने वाले विभिन्न मुद्दों पर था। शैक्षिक परिवर्तन की प्रकृति और दायरे की स्थापना और व्याख्या करके, इस कार्यक्रम ने अपने स्कूलों में आने वाली विभिन्न चुनौतियों का सामना करने में महत्वपूर्ण योगदान देने का प्रयास किया। प्रशिक्षण अत्यधिक व्यावहारिक, संरचित और एक सहयोगी अध्ययन के वातावरण में बहुत से अनुभवात्मक और व्यावहारिक अभ्यासों के साथ आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में भारत में

विद्यालयीन शिक्षा मे आने वाले विभिन्न मुद्दों को सहभागी किया गया जिसमें मुख्यत: शैक्षिक परिदृश्य बदलना, परिणाम-आधारित शिक्षा, संगठन के सांस्कृतिक डीएनए का प्रबंध और संस्थागत स्तर पर 33 परिवर्तन का प्रबंध शामिल है। प्रतिभागी आवासीय और गैर-आवासीय दोनों थे और इससे उन्होंने ₹4 लाख का साधारण राजस्व अर्जित किया। कार्यक्रम ने संस्थान के सभी संकाय सदस्यों को सत्र देने की अनुमति दी और उनके लिए एक उत्कृष्ट अध्ययन का अनुभव प्रदान किया। प्रतिभागियों से औसत कार्यक्रम प्रतिक्रिया 5-बिंदु मापन, जिसमें 5-उत्कृष्ट होना थी, उसमे 4.53 थी।

अन्य कार्यक्रम

आने वाले वर्षों में, आईआईएम अमृतसर कार्यकारी शिक्षा के क्षेत्र में और अधिक प्रगति करने की योजना बना रहा है। हम कुछ विशिष्ट क्षेत्रों में कार्यकारी एमबीए कार्यक्रमों के लिए एचपीसीएल और वेदांता के साथ उन्नत चर्चा कर रहे हैं। सीबीएसई स्कूल के प्रधानाचार्यों के तीन चरणों के अलावा, पंजाब उत्पाद शुल्क और कर विभाग, आईओसीएल, भारतीय मानक ब्यूरो, ओआईएल इंडिया लिमिटेड और जीवीके के प्रबंधकों के लिए कई एमडीपी की योजना है।

परामर्श

संस्थान ने एचपीसीएल के लिए अपना प्रथम परामर्श कार्य भी पूरा किया। परियोजना का केंद्रबिन्दु एचपीसीएल के लिए उनके डिजिटल परिवर्तन परियोजना के लिए नियुक्त किए जाने वाले लोगों की विभिन्न भूमिकाओं के लिए योग्यता मानचित्रण पर था। संकाय द्वारा किए गए कार्य को एचपीसीएल द्वारा बहुत सराहा गया। वर्तमान में संस्थान में परामर्श कार्यक्षेत्र अनुभव कमी होने के कारण एवं कई संगठन पूर्व परामर्श कार्य अनुभव को देखने कारण संस्थान परामर्श कार्यक्षेत्र को विकसित होने में समय लगेगा।

8. पूर्व छात्र संबंध एवं प्रगति

आईआईएम अमृतसर ने दिल्ली, बंगलुरु और मुंबई इन तीन शहरों में पूर्व-छात्रों की सभा शुरू की। संस्थान और इसके पूर्व छात्रों के बीच संबंधों को मजबूत करने के अलावा, सभाओं पाठ्यक्रम को मजबूत करने के लिए पूर्व छात्रों से प्रतिक्रिया प्राप्त करने, उनके करियर में उनकी प्रगति, संस्थान के लिए उनकी दृष्टि और संस्थान से उनकी अपेक्षाओं पर केंद्रित थीं।

पूर्व छात्रों को निदेशक और संस्थान के संबंध में उनके दृष्टिकोण ज्ञात होने हेतु तीनों सभाओं में हमारे निदेशक प्रो. नागराजन रामामूर्ति ने भाग लिया।

क. **दिल्ली अध्याय:** दिल्ली में 5 अक्टूबर 2019 को इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित पूर्व-छात्रों की सभा में दिल्ली-एनसीआर और उसके आसपास काम करने वाले लगभग 30 पूर्व छात्रों ने भाग लिया।

ख. **बंगलुरु अध्याय:** बंगलुरु में 19 अक्टूबर 2019 को होटल मोनार्क में पूर्व-छात्रों की सभा का आयोजन किया गया और बंगलुरु और उसके आसपास के लगभग 35 पूर्व छात्रों ने भाग लिया। कुछ तो हैदराबाद से भी शामिल हुए थे।

ग. **मुंबई अध्याय:** मुंबई में 2 नवंबर 2019 को काँटो रेस्टारंट में आयोजित पूर्व-छात्रों की सभा का आयोजन किया गया। मुंबई और पुणे में काम करने वाले लगभग 40 पूर्व छात्रों ने भाग लिया। बैठक में हमारे शासी मंडल के सदस्य श्री निशांत सक्सेना भी उपस्थित थे, जो वर्तमान में सिप्ला के अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय के प्रमुख हैं।

पूर्व छात्रों से प्राप्त इनपुट के परिणामस्वरूप संस्थागत गुणवत्ता में वृद्धि करने हेतु कई अन्य सुझावों के अलावा, एमबीए06 बैच के लिए एमबीए पाठ्यक्रम में संशोधन किया गया। इसके अतिरिक्त, पूर्व छात्रों के नेटवर्क ने एमबीए04 बैच के लिए सत्रह (17) छात्रों की नियुक्ति में मदद की, जो एमबीए04 बैच के 16.67% का प्रतिनिधित्व करते हैं।

संवाद सत्र: वर्ष 2019-2020 में, पूर्व छात्र समिति द्वारा तीन संवाद सत्र आयोजित किए गए, जहां उद्योग में काम करने वाले पूर्व छात्रों को हमारे वर्तमान बैचों के साथ चर्चा करने और

उद्योग में वर्तमान चुनौतियों के बारे में उनकी चिंताओं को दूर करने के लिए आमंत्रित किया गया था।

क- पीजीपी03 से जयंत गौतम और पीजीपी02 से उदित भाटिया ने हमारे वर्तमान बैच के छात्रों के साथ बातचीत की और निम्नलिखित बाजारों के महत्व पर जोर दिया और निवेश बैंकिंग की अवधारणाओं को साझा किया।

ख- दूसरा संवाद सत्र प्रसून मलिक और विवेक भाजीपाले द्वारा लिया गया और उन्होंने "संचालन में करियर का अवलोकन" पर चर्चा की।

ग- तीसरा संवाद सत्र यह पीजीपी03 से अनुश्री पुरोहित और शुभ्रा शर्मा के साथ लिया। उन दोनों ने छात्रों के साथ अपने इंटर्नशिप अनुभव साझा किए और ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप में उपयोग की जाने वाली मार्केटिंग की अवधारणाओं पर चर्चा की। उन्होंने विपणन क्षेत्र में वैक्षेषिकी के महत्व पर भी जोर दिया।

कॉर्पोरेट मेंटरशिप कार्यक्रम: पूर्व छात्र समिति एक कॉर्पोरेट मेंटरशिप कार्यक्रम चलाती है जिसमें छात्रों को उनके व्यक्तिगत पूर्व छात्रों के सलाहकारों के साथ जोड़ा जाता है। पूर्व छात्र छात्रों के लिए संरक्षक और मार्गदर्शक के रूप में कार्य करते हैं। पूर्व छात्र नियमित रूप से छात्रों को उनके आगे संभावित कैरियर पथ (छात्रों की रुचि के अनुसार) के बारे में मार्गदर्शन प्रदान करते हैं, कौशल उन्हें अधिक कॉर्पोरेट सफलता के लिए विकसित करने और नैतिक समर्थन प्रदान करने की आवश्यकता होती है।

पूर्व छात्र समाचार पत्रिका – हेल्सियन: पूर्व छात्र समिति ने जनवरी 2020 में पूर्व छात्र समाचार पत्रिका "हेल्सियन" शुरू किया था। हर वर्ष, पूर्व छात्र समिति समाचार पत्रिका के चार आवृतीयां को प्रकाशित करने की योजना है।

पूर्व छात्र विकास और प्रगति: वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान, आईआईएम अमृतसर की पूर्व छात्र समिति ने एमबीए01 बैच (2017 में स्नातक) और एमबीए02 बैच (2018 में स्नातक) का सर्वेक्षण किया। सर्वेक्षण का प्राथमिक उद्देश्य कैरियर के विकास से संबंधी उद्योग में आईआईएम अमृतसर के पूर्व छात्रों की सफलता की गणना करना था। हालांकि प्रतिक्रिया दर बहोत सीमित था (लगभग 25% सर्वेक्षण वापस कर दिए गए थे), एमबीए01 बैच ने 21% की सिटिसी वृद्धि की सूचना दी और एमबीए02 बैच ने संस्थान से स्नातक होने के बाद से 24% की सिटिसी वृद्धि की जानकारी दी।

9. भौतिक अवसंरचना और स्थायी परिसर

<u>पारगमन परिसर:</u> शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के लिए, एमबीए कार्यक्रम की प्रस्तुति का विस्तार करने के लिए, आईआईएम अमृतसर ने सरकारी पॉलिटेक्निक परिसर के समीप की गली में लगभग 3,700 वर्ग फुट कार्यालय स्थान पट्टे (लीज़) पर लिया है। पट्टे (लीज़) की जगह वर्तमान परिसर से करीब डेढ़ किलोमीटर के दायरे में है। प्लेसमेंट कार्यालय, एक समूह चर्चा कक्ष, प्रवेश कार्यालय, और कुछ और संकाय के कामकाज हेतु इस जगह का नवीनीकरण किया जा रहा है। कार्यालय को वाई-फाई, लैन नेटवर्क, टेलीफोन नेटवर्क और एक छोटी रसोई से सुसज्जित किया गया है। यह आशा है कि संस्थान आगामी शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के लिए लगभग 50-55 छात्रों के अतिरिक्त बैच को समायोजित करने में सक्षम होगा।

<u>स्थायी परिसर:</u> वर्ष 2019-20 में शासी मंडल के अध्यक्ष एवं निदेशक के मार्गदर्शन में परिसर के मास्टरप्लान का विकास परीक्षण किया गया। आर्कोप कॉरपोरेशन एक आर्किटेक्चरल फर्म थी जिसने डिजाइन चरण के लिए हमारे वास्तुशिल्प सलाहकार श्री सुनील अग्रवाल के साथ परिसर को डिजाइन किया था। आर्कोप एसोसिएट्स प्राइवेट लिमिटेड भारत में प्रमुख आर्किटेक्चर कार्य करने वाली फ़र्म है। वे आईआईटी हैदराबाद, आईआईएम काशीपुर, आईआईएम रायपुर, आईआईएम विशाखापट्टनम, आईआईएसईआर तिरुपति और कई एम्स इन संस्थानों सहित कई प्रतिष्ठित निजी और सार्वजनिक परियोजनाओं के डिजाइन में सहभागी रहे हैं।

इसके अतिरिक्त, एमएचआरडी ने एचईएफए के माध्यम से परिसर के पहले चरण के लिए लगभग 348.31 करोड़ रुपये की निधि दी है और आईआईएम अमृतसर ने एचईएफए के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं और ऋण का पहला भाग सितंबर 2019 के दौरान प्राप्त किया गया था।

स्थायी परिसर की योजना एक संस्था के पर्यावरणीय, सामाजिक और आर्थिक पहलुओं को शामिल करते हुए ध्वनि स्थिरता सिद्धांतों पर बनाई गई है। तीसरे चरण में विस्तार करने के लिए एक अतिरिक्त विकल्प के साथ 61-एकड़ साइट को 2 चरणों में विकसित करने का प्रस्ताव है। पहले चरण को 600 छात्रों का समावेश करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो 60,381 वर्गमीटर के निर्मित क्षेत्र को कवर करता है, और पहुंच, सुरक्षा और सभी इंजीनियरिंग सेवाओं के संबंध में पूर्ण है।

पहले चरण में 18 कक्षाओं के साथ शैक्षणिक और प्रशासनिक सदन, 2 चर्चा कक्ष, 640 सीटों की क्षमता वाला 1 सभागार, केंद्रीय पुस्तकालय, 60 संकाय कार्यालय, कार्यालय और प्रशासनिक कर्मचारियों के लिए बैठक कक्ष आदि शामिल हैं। ये ब्लॉक 18224 वर्गमीटर के क्षेत्र को कवर करते हैं। छात्रों की गतिविधियों के लिए इनडोर स्पोर्ट्स हॉल, कैंटीन, केंद्रीय भोजन सुविधा और खरीदारी क्षेत्र जैसी पर्याप्त सुविधाएं हैं। ये 5,062 वर्गमीटर को कवर करते हैं। विवाहित छात्रों के लिए 27 सहित, 600 छात्रों के लिए 19,360 वर्गमीटर की एक सुनियोजित मध्यम-ऊंचाई आवासीय सुविधा है।

15,210 वर्गमीटर का समावेश करने वाले मध्यम-ऊंचाई वाले सदनों में शैक्षिक और गैर-शैक्षिक कर्मियों के लिए 20 अलग-अलग क्षेत्रों में आवासीय अपार्टमेंट हैं। यह सब 2,524 वर्गमीटर के क्षेत्र का समावेश करने वाली केंद्रीकृत इंजीनियरिंग सेवाओं द्वारा समर्थित है।

पंजाब सरकार ने स्थायी परिसर के लिए आईआईएम अमृतसर को साठ एकड़ (60) जमीन दी थी और 60 एकड़ के भीतर एक निजी पक्ष की एक एकड़ जमीन होने के कारण, परिसर मास्टरप्लान के डिजाइन में विलंब हुआ था। संस्थान ने पंजाब सरकार द्वारा प्रतिपूर्ति योग्य होने के लिए लगभग 1.71 करोड़ रुपये की कीमत पर तीसरे पक्ष से एक एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया है। 20 जनवरी 2020 को शासी मंडल की बैठक में बोर्ड ने कैंपस मास्टरप्लान को मंजूरी दी और 21 जनवरी 2020 को सीपीडब्ल्यूडी, हमारे प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कंसल्टेंट्स (पीएमसी) ने निविदा जारी की।

निविदाओं (तकनीकी और वित्तीय बोली) की स्क्रीनिंग की सामान्य प्रक्रिया के बाद, एनकेजी इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड, नई दिल्ली को सबसे कम बोली लगाने वाला पाया गया और उन्हें काम दिया जाएगा। यह आशा की जाती है कि जैसे ही कोविड की स्थिति नियंत्रण में आती है वैसे ही निर्माण शुरू हो जाएगा, और दो से तीन वर्ष की अवधि मे परिसर का चरण एक हो पूर्ण होने की आशा है।

भूमि पूजन

7 अक्टूबर 2019 को आईआईएम अमृतसर ने स्थायी परिसर का "भूमि पूजन" किया। माननीय डॉ रमेश पोखरियाल 'निशंक', मानव संसाधन प्रबंधन मंत्री, यह मुख्य अतिथि थे और श्री तृप्त राजिंदर सिंह बाजवा, उच्च शिक्षा मंत्री, पंजाब राज्य, और प्रो देबाशीष चटर्जी, आईआईएम कोझीकोड के निदेशक और आईआईएम अमृतसर के पूर्व संरक्षक-निदेशक, श्री शिवदुलार सिंह ढिल्लों, कलेक्टर, अमृतसर जिला, श्री करमजीत सिंह रिंटू, महापौर अमृतसर और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति इस अवसर पर उपस्थित थे।

10. अग्रेषित पथ: एक भविष्यवादी दृष्टिकोण

आगामी वित्तीय वर्ष के लिए, संस्थान की योजना तीन बैचों के वर्तमान स्तर से चार बैचों तक अपनी क्षमता का विस्तार करने की है। वर्तमान मे उच्च योग्य संकाय सदस्यों की कमी को दूर करने हेतु भारतीय शिक्षा प्रणाली को मदद करने के लक्ष्य के साथ संस्थान ने अपने डॉक्टरेट कार्यक्रम को शुरू करने की भी योजना बनाई है। संस्थान ने कार्यकारी शिक्षा और परामर्श के क्षेत्रों में सरकार और उद्योग की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए चंडीगढ़ / मोहाली क्षेत्र में एक आउटरीच परिसर के लिए एक मध्यवर्ती स्थान की पहचान करने की भी योजना बनाई है। मंडल की प्रतिबद्धता और समर्थन के साथ, संस्थान प्रबंध शिक्षा में एक वैश्विक शक्ति बनने के लिए तैयार है।

वित्तीय परिणाम

वर्ष 2019-2020 के लिए अंतिम लेखा परीक्षित खाते

टी. आर. चड्ढा एंड कंपनी एलएलपी

सनदी लेखाकार

स्वतंत्र लेखा परीक्षक रिपोर्ट

वित्तीय विवरण पर रिपोर्ट

हमने भारतीय प्रबंध संस्थान - अमृतसर (आईआईएम-अमृतसर) के वित्तीय विवरणों का लेखा-परीक्षण किया है, जिसमें 31 मार्च, 2020 तक की बैलेंस शीट (तुलन पत्रक) और उस दिन समाप्त हुए वर्ष के लिए आय और व्यय खाता तथा प्राप्तियाँ भुगतान खाता, लेखांकन नीतियां और अन्य व्याख्यात्मक जानकारी शामिल है।

वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंध की जिम्मेदारियां

कंपनी की संपत्ति की सुरक्षा के लिए और धोखाधड़ी और अन्य अनियमितताएं को रोकने और पता लगाने के लिए; उपयुक्त लेखा नीतियों का चयन और अनुप्रयोग; ऐसे निर्णय और अनुमान लगाना जो उचित और विवेकपूर्ण हों; और पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का आकृति, कार्यान्वयन और रखरखाव, जो लेखांकन रिकॉर्ड की सटीकता और पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी है, जो की वित्तीय विवरणों की तैयारी और प्रस्तुति के लिए प्रासंगिक जो एक सही और निष्पक्ष दृश्य देते हैं और भौतिक गलत विवरण से मुक्त हैं, चाहे वह धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो, ऐसा अधिनियम के प्रावधान के अनुसार आईआईएम अमृतसर की वित्तीय स्थिति और वित्तीय प्रदर्शन का सही और उचित दृश्य हमे प्रस्तुत करने वाले इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने के लिए प्रबंध उत्तरदायी है।

लेखापरीक्षक का दायित्व

हमारा दायित्व यह है कि हम अपने लेखा-परीक्षण के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर अभिप्राय व्यक्त करें। हमने इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा जारी किए गए लेखा-परीक्षण मानकों के अनुसार अपना लेखा-परीक्षण किया। इन मानकों के लिए आवश्यक है कि हम नैतिक आवश्यकताओं का पालन करें और वित्तीय विवरण भौतिक अनुचित विवरणों से मुक्त हैं या नहीं, इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए योजना और लेखा परीक्षा करें।

लेखा-परीक्षण में वित्तीय विवरण में राशियों और प्रकटीकरण के संबंध में लेखा-परीक्षण साक्ष्य प्राप्त करने के लिए निष्पादन प्रक्रियाएं शामिल होती हैं। चुनी गई प्रक्रियाएं लेखापरीक्षक के निर्णय पर निर्भर करती हैं, जिसमें वित्तीय विवरणों के महत्वपूर्ण गलत विवरण के जोखिम का आकलन शामिल है, चाहे फिर वह धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो। इन जोखिम मूल्यांकनों को करने में, लेखापरीक्षक आईआईएम अमृतसर के वित्तीय विवरणों की तैयारी के लिए प्रासंगिक आंतरिक नियंत्रण पर विचार करता है जो परिस्थितियों में उपयुक्त लेखा-परीक्षण प्रक्रियाओं को तयार करने के लिए एक सही और निष्पक्ष दृश्य देता है, लेकिन इस पर अपना अभिप्राय व्यक्त करने के उद्देश्य से यह नहीं होता है। आईआईएम अमृतसर में उपयोग की गई लेखांकन नीतियों और ऐसे नियंत्रणों की परिचालन प्रभावशीलता की पर्याप्त आंतरिक वित्तीय उपयुक्तता है। एक लेखापरीक्षा में वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन करना भी शामिल है।

हमारा विश्वास हैं कि हमने जो लेखा परीक्षा साक्ष्य प्राप्त किए हैं, वे हमारा अभिप्राय के लिए आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हैं।

अभिप्राय

हमारी राय में एवं हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, वित्तीय विवरण 31 मार्च 2020 और वर्ष के लिए इसका अधिशेष दिनांक को समाप्त हुआ उसके लिए आईआईएम अमृतसर के भारत में आम तौर पर स्वीकार किए गए लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप एक सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण देते हैं।

टी. आर. चड्ढा एंड कंपनी एलएलपी के लिए
सनदी लेखाकार
फर्म पं. सं. 006711एन/एन500028

बृजेश ठक्कर
पार्टनर
सदस्यता संख्या 135556

स्थान: अहमदाबाद
दिनांक: // 2020

भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर

मार्च 31, 2020 तक तुलन पत्र (बैलेंस शीट) (रुपयों मे)

निधि के स्रोत	**अनुसूची**	**31.03.2020 को**	**31.03.2019 को**
संचितपूंजी निधि/	1	1,25,58,59,233	30,22,82,471
जमानती ऋण	2	20,81,73,354	-
वर्तमान देनदारियाँ और प्रावधान	3	64,76,60,816	21,09,79,252
कुल		**2,11,16,93,403**	**51,32,61,722**
निधि अनुप्रयोग	**अनुसूची**	**वर्तमान वर्ष**	**पिछला वर्ष**
अचल संपत्ति	4		
मूर्त संपत्ति		89,55,31,058	2,74,53,132
अमूर्त संपत्ति		2,31,15,611	54,18,583
पूंजी कार्य - प्रगति पर		69,53,951	7,53,57,622
निवेश दान निधि से / निर्धारित -			
दीर्घावधि	5	34,14,25,689	28,52,00,000
वर्तमान संपत्ति	6	58,69,00,782	7,92,31,736
ऋण, अग्रिम और जमा	7	25,77,66,312	4,06,00,649
कुल		**2,11,16,93,403**	**51,32,61,722**
महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ	23		
आकस्मिक देयताएं और खातों के लिए टिपणी	24		

सम तिथि की हमारी रिपोर्ट के अनुसार

टी. आर. चड्ढा एंड कंपनी एलएलपी के लिए
फर्म पं. सं. 006711एन/एन500028
सनदी लेखाकार

बृजेश ठक्कर
पार्टनर
सदस्यता संख्या 135556

दिनांक :

प्रो. आर नागराजन
निदेशक, आईआईएम-अमृतसर

लक्ष्मणदेव गोहील
वित्त एवं लेखा

सतनाम सिंह
लेखापाल

स्थान :अहमदाबाद

भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर

20-03-3120 को वर्ष समाप्ती व्यय लेखा-अवधि के लिए आय / (रुपयों मे)

विवरण	**अनुसूची**	**2019-20**	**2018-19**
आय			
शैक्षणिक प्राप्तियां	8	13,63,68,761	10,21,85,331
अनुदान सब्सिडी /	9	13,02,45,174	3,98,21,397
निवेश से आय	10	35,92,284	-
अर्जित ब्याज	11	30,914	22,05,381
अन्य आय	12	14,77,351	99,060
पूर्व अवधि की आय	13	9,503	2,59,929
कुल)क(		27,17,23,987	14,45,71,098
व्यय			
स्टाफ भुगतान और लाभ	14	4,53,26,868	3,34,14,461
शैक्षणिक व्यय	15	3,24,18,155	3,00,50,416
प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	16	5,46,17,246	3,75,67,623
परिवहन व्यय	17	32,63,712	24,96,469
दुरुस्ती और रखरखाव	18	87,63,242	73,32,148
मूल्यह्रास/ परिशोधन	19	2,68,91,329	86,23,316
वित्तीय खर्च	20	13,756	14,071

अन्य खर्च	21	30,00,000	-
पूर्व अवधि के व्यय	22	21,95,114	22,76,064
कुल (ख)		17,64,89,421	12,17,74,569
व्यय से आय की अधिकता का शेष (क-ख)		9,52,34,567	2,27,96,530
पूंजी निधि खाते से मूल्यह्रास का हस्तांतरण (अचल संपत्ति)		2,68,91,329	86,23,316
बैलेंस शीट में आय और व्यय खाते में वहन किया जा रहा अधिशेष		**12,21,25,895**	**3,14,19,846**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	23		
खातों के लिए टिपणी	24		

सम तिथि की हमारी रिपोर्ट के अनुसार

टी. आर. चड्ढा एंड कंपनी एलएलपी के लिए
फर्म पं. सं. 006711एन/एन500028
सनदी लेखाकार

बृजेश ठक्कर
पार्टनर
सदस्यता संख्या 135556

प्रो. आर नागराजन
निदेशक, आईआईएम-अमृतसर

लक्ष्मणदेव गोहील
वित्त एवं लेखा

सतनाम सिंह
लेखापाल

दिनांक :
स्थान :अहमदाबाद

भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर

अनुसूची '1' : संचित /पूंजी निधि

(रुपयों मे)

क्र. सं.	विवरण	31.03.2020 को	31.03.2019 को
क.	**संचित निधि**		
	वर्ष की शुरवात मे शेष	19,40,53,133	18,70,38,413
	निधि में योगदान जोड़ें		
	क. आय और व्यय खाते से हस्तांतरित अतिरिक्त आय राशि	12,21,25,895	3,14,19,846
	ख. संचित निधि निवेश पर अर्जित ब्याज	1,40,79,585	1,45,41,848
	संचित निधि से हस्तांतरित की गई राशि घटाएं		
	ग. सहायता अनुदान में कमी (ओएच31 समायोजित)	-	-3,89,46,973
	वर्ष के अंत मे शेष क -	33,02,58,614	19,40,53,133
ख.	**पूंजी निधि**		
	वर्ष की शुरवात मे शेष	10,82,29,337	6,22,30,718
	जोडे: पूंजी निधि हस्तांतरित आय		
	क. पूंजीगत व्यय के लिए उपयोगीता सीमा तक भारत सरकार से अनुदान	6,85,12,741	5,46,21,935
	ख. दान की गई संपत्ति / प्राप्त उपहार	77,61,56,360	-
	कम: पूंजी निधि हस्तांतरित व्यय		
	1. कमवर्ष के दौरान बट्टे खाते में डाला मूल्यह्रास :	-2,68,91,329	-86,23,316
	2. पूंजी निधि से परिसंपत्ति की बिक्री		
	वर्ष के अंत मे शेष ख -	-4,06,491	10,82,29,337
	कुल योग कख+	1,25,58,59,233	30,22,82,471

भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर

अनुसूची '2' : जमानती ऋण

(रुपयों मे)

क्र. सं.	विवरण	30.03.2020 को	30.03.2019 को
1	उच्च शिक्षा वित्तपोषण एजेंसी (HEFA) से ऋण	20,81,73,354	-
	कुल योग	**20,81,73,354**	-

टिप्पणी

1. संस्थान ने एचईएफए के साथ 8.5% की ब्याज दर पर 348.31 करोड़ रुपये के कुल संवितरण के लिए सावधि ऋण समझौता किया है, जो कि 10 वर्षों की ऋण अवधि में संशोधन के अधीन है।
2. स्थायी परिसर के निर्माण के लिए ऋण लिया गया है।
3. एचईएफए ने प्राप्य, एस्क्रो खाते और उपकरण और फर्नीचर पर दृष्टिबंधक पर प्रभार के अधीन ऋण दिया है।

भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर

अनुसूची 3: वर्तमान देनदारियाँ और प्रावधान

(रुपयों मे)

विवरण	31.03.2020 को	31.03.2019 को
कवर्तमान देनदारियाँ .		
1. छात्रों से जमा	63,24,000	49,25,000
2. अन्य जमा (ईएमडी, सुरक्षा जमा सहित)	3,92,016	1,36,410
3. विविध लेनदार	-	-
वस्तुएं और सेवाएं	49,48,643	-
अन्य (पूंजीगत कार्यों के लिए)	1,63,89,640	-
4. वैधानिक देनदारियाँ		-
कालातीत देय	58,374	-
अन्य	28,72,073	16,24,682
5. अन्य वर्तमान देनदारियाँ		
वेतन	35,21,551	20,43,810
प्रायोजित परियोजनाओं/कार्यक्रमों पर रसीद (अनुसूची-3क)	2,40,617	-
अप्रयुक्त अनुदान (अनुसूची-3ख)	25,22,69,333	19,42,97,023
छात्र खाता	-	50,500
एचईएफए ऋण के लिए भारत सरकार से अनुदान (अनुसूची-2)	35,06,20,746	-
अन्य देनदारियाँ	88,71,681	67,49,370
कुल (क)	**64,65,08,675**	**20,98,26,795**
खप्रावधान .		
1. संचित अवकाश नकदीकरण (टिपणी देखे)	4,90,235	**-**
2. ग्रेच्युटी (टिपणी देखे)	6,61,906	-
3. अन्य	-	11,52,457
कुल (ख)	**11,52,141**	**11,52,457**
कुल (ख+क)	**64,76,60,816**	**21,09,79,252**

टिपणी: मार्च 2020 को समाप्त वर्ष के लिए पहली बार बीमांकिक मूल्यांकन प्रमाण पत्र लिया गया था। इसे के पुर्व वर्षों के लिए खाता पुस्तकों में कोई प्रावधान नहीं किया गया था।

भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर

अनुसूची 3क: प्रायोजित परियोजना/कार्यक्रम

(रुपयों मे)

क्र. सं.	**विवरण**	**01.04.2019 को शेष**		**वर्ष के दौरान**	**वर्ष के दौरान**	**31.03.2020 को शेष**	
		क्रेडिट	**डेबिट**	**क्रेडिट**	**डेबिट**	**क्रेडिट**	**डेबिट**
1.	प्रबंध विकास कार्यक्रम (एमडीपी)	-	-	7,05,447	4,64,830	2,40,617	-
	कुल	-	-	**7,05,447**	**4,64,830**	**2,40,617**	**-**

भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर

अनुसूची 3ख: प्रायोजित परियोजना/कार्यक्रम

(रुपयों मे)

क्र. सं.	विवरण	01.04.2019 को शेष	वर्ष के दौरान प्राप्ति	ब्याज	राजस्व व्यय के लिए उपयोजीत	पूंजीगत व्यय के लिए उपयोजीत	एमएचआरडी सलाह के अनुसार हस्तांतरण	30.03.2020 को शेष
1	योजना अनुदान: भारत सरकार (ओएच31 - सामान्य)	-	9,30,00,000	-	-9,30,00,000	-	-	-
2.	योजना अनुदान: भारत सरकार (ओएच35 - पूंजीगत संपत्ति)	9,92,75,148	8,06,00,000	55,94,719	-	-6,85,12,741	-	-11,69,57,125
3.	योजना अनुदान: भारत सरकार (ओएच36 - वेतन)	9,50,21,875	7,18,00,000	57,35,507	-3,72,45,174	-	-	-13,53,12,208
कुल		19,42,97,023	24,54,00,000	1,13,30,226	-13,02,45,174	-6,85,12,741		25,22,69,333
पिछला वर्ष		15,93,86,356	8,45,00,000	59,07,026	-3,98,21,397	-5,46,21,935	3,89,16,973	19,42,97,023

भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर

अनुसूची 4: अचल संपती (योजना)

(रुपयों मे)

क्र. सं.	संपत्ति का नाम	कुल संपत्तियाँ				मूल्यह्रास				निवल संपत्तियाँ	
		01.04.2019 को	जोड़	घटाव	31.03.2020 को	01.04.2019 को	वर्ष के लिए	घटाव	31.03.2020 को	31.03.2020 को	31.03.2019 को
1	संपूर्ण स्वामित्व वाली भूमि (निम्न टिपणी देखे)	-	77,61,56,360	-	77,61,56,360	-	-	-	-	77,61,56,360	-
2	भवन	-	7,20,23,510	-	7,20,23,510	-	14,40,470	-	14,40,470	7,05,83,040	-
3	विद्युत इन्स्टालेशन और उपकरण	6,93,711	60,86,327	-	67,80,038	1,22,079	3,39,002	-	4,61,081	63,18,957	5,71,632
4	संयंत्र और मशीनरी	14,70,339	33,94,626	-	48,64,965	1,47,034	2,43,248	-	3,90,282	44,74,683	13,23,305
5	कार्यालय के उपकरण	5,74,300	8,91,505	-	14,65,805	1,69,493	1,09,935	-	2,79,428	11,86,377	4,04,807
6	दृश्यश्रव्य उपकरण-	28,80,487	27,75,146	-	56,55,643	5,99,517	4,24,173	-	10,23,690	46,31,953	22,80,980
7	कंप्यूटर एवं सहायक उपकरण	94,31,877	62,49,787	-	1,56,81,664	53,78,952	31,36,533	-	85,15,285	71,66,379	40,52,925
8	फर्नीचर, फिक्स्चर और फिटिंग	52,37,835	21,30,632	-	73,68,467	12,43,310	5,52,635	-	17,95,945	55,72,522	39,94,525
9	वाहन	78,13,923	22,25,548	6,77,485	93,61,986	24,12,357	9,36,199	2,70,994	30,77,562	62,84,424	54,01,566
10	पुस्तकालय की किताबें एवं वैज्ञानिक पत्रिकाएं	1,17,50,812	54,62,053	-	1,72,12,865	23,93,341	17,21,287	-	41,14,628	1,30,98,237	93,57,471
11	अन्य अचल संपत्ति	1,03,933	-	-	1,03,933	38,012	7,795	-	45,807	58,126	65,921
	कुल (क)	**3,99,57,227**	**87,73,95,494**	**6,77,485**	**91,66,75,236**	**1,25,04,095**	**89,11,077**	**2,70,994**	**2,11,44,178**	**89,55,31,058**	**2,74,53,132**

	पिछला वर्ष	3,32,25,095	67,32,132	-	3,99,57,227	78,96,422	46,07,673		1,25,04,095	2,74,53,132	2,53,28,673

12	पूंजी का कार्य प्रगति पर (ख)	7,53,57,622	41,61,610	7,25,65,281	69,53,951	-	-	-	-	69,53,951	7,53,57,622
	पिछला वर्ष	3,60,14,035	3,93,43,587	-	7,53,57,622	-	-	-	-	7,53,57,622	3,60,14,035

क्र. सं.	**अमूर्त संपत्ति**	**कुल संपतियाँ**				**मूल्यह्रास**				**निवल संपतियाँ**	
		01.04.2019 को	**जोड़**	**घटाव**	**31.03.2020 को**	**01.04.2019 को**	**वर्ष के लिए**	**घटाव**	**31.03.2020 को**	**31.03.2020 को**	**31.03.2019 को**
13	ई-पत्रिकाएं	92,18,411	3,40,65,052	-	4,32,83,463	42,58,565	1,70,27,785	-	2,12,86,350	2,19,97,113	49,59,846
14	सॉफ्टवेयर	39,07,473	16,12,227	-	55,19,700	34,48,736	9,52,466	-	44,01,202	11,18,498	4,58,737
	कुल (ग)	**1,31,25,884**	**3,56,77,279**	**-**	**4,88,03,163**	**77,07,301**	**1,79,80,252**	**-**	**2,56,87,553**	**2,31,15,610**	**54,18,583**
	पिछला वर्ष	45,79,668	85,46,216	-	1,31,25,884	36,91,658	40,15,643	-	77,07,301	54,18,583	8,88,010

	कुल योग (क+ख+ग)	**12,84,40,733**	**91,72,34,382**	**7,32,42,766**	**97,24,32,350**	**2,02,11,396**	**2,68,91,329**	**2,70,994**	**4,68,31,730**	**92,56,00,619**	**10,82,29,337**
	पिछला वर्ष	7,38,18,798	5,46,21,935	-	12,84,40,733	1,15,88,080	86,23,316	-	2,02,11,396	10,82,29,337	6,22,30,718

टिपणी: पंजाब सरकार द्वारा पूर्व के वर्षों में विनामूल्य आवंटित 60.70 एकड़ भूमि को चालू वर्ष में संस्थान द्वारा निष्पादित समान लेनदेन के 75.88 करोड़ रुपये की राशि के (अर्थात 1.25 करोड़ रुपये प्रति एकड़) उचित मूल्य के आधार पर चालू वर्ष में खातों में मान्यता दी गई है। 23 सितंबर 2019 को श्री विकास हीरा, पीसीएस, उपविभागीय दण्डाधिकारी एवं भूमि अधिग्रहण कलेक्टर, अमृतसर की अध्यक्षता में हुई बैठक के कार्यवृत्त से संदर्भ लिया गया। उसी भूमि को " संपूर्ण स्वामित्व वाली भूमि" में एक अतिरिक्त के रूप में दिखाया गया है।

भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर

अनुसूची 5: अन्य निवेश

(रुपयों मे)

क्र. सं.	विवरण	31.03.2020 को	31.03.2019 को
1	**दीर्घावधि**		
	बैंकों और एनबीएफसी में सावधि जमा	6,15,00,000	18,22,00,000
2	**अल्पावधि**		
	बैंकों और एनबीएफसी में सावधि जमा	27,99,25,689	10,30,00,000
	कुल	**34,14,25,689**	**28,52.00,000**

भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर

अनुसूची 6: वर्तमान संपत्ति

(रुपयों मे)

क्र. सं.	विवरण	31.03.2020 को	31.03.2019 को
1	**विविध (संड्राय) देनदार**		
	क. छह महीने से अधिक की अवधि के लिए बकाया ऋण	-	-
	ख. अन्य	1,47,000	-
2	**नकद और बैंक शेष**		
	क. शेड्यूल्ड बैंकों के साथ:		
	ऑटो एफडी खातों में (स्वाइप इन / स्वाइप आउट)	23,28,20,864	-
	एस्क्रो खाते मे		
	- एचईएफए ऋण मूल वापसी भुगतान	35,06,20,409	-
	- एचईएफए ऋण ब्याज वापसी भुगतान	301	-
	बचत खाते मे	33,11,709	7,92,31,736
		58,67,53,282	**7,92,31,736**
	ख. नकद शेष	**-**	**-**
	कुल	**58,67,53,282**	**7,92,31,736**

भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर

अनुसूची 7: ऋण, अग्रिम और जमा

(रुपयों मे)

क्र. सं.	विवरण	31.03.2020 को		31.03.2019 को	
1	**कर्मचारियों को अग्रिम (ब्याज रहित)**				
	क. यात्रा अग्रिम	1,50,202	1,50,202	3,46,595	3,46,595
2	**अग्रिम और अन्य राशियाँ नकद में या किफ़ायत में प्राप्त करने के लिए पुनर्प्राप्त करने योग्य**				
	क. पूंजी खाते पर (सरकार से प्राप्य)	1,93,76,898		-	-
	ख. आयकर कानून के अंतर्गत प्राप्य टीडीएस	49,36,219		-	-
	ग. प्रदायक से प्राप्य	75,94,499	3,19,06,616	60,61,579	60,61,579
3	**पूर्वदात व्यय**				
	क. बीमा	5,90,922		1,34,827	
	ख. अन्य व्यय	9,04,776	14,95,698	70,45,888	71,80,715
4	**जमा**				
	क. दूरध्वनी जमा	22,310		22,310	
	ख. विद्युत जमा	6,95,218		6,95,218	
	ग. किराया जमा	3,50,000		1,50,000	
	घ. स्थायी परिसर के निर्माण के लिए सीपीडब्ल्यूडी के पास जमा	20,82,81,716		-	
	ङ. अन्य सुरक्षा जमा	65,44,774	21,58,94,018	1,05,39,618	1,14,07,146
5	**अर्जित आय**				
	संचित निधि निवेश पर अर्जित ब्याज	44,26,284		1,56,04,614	
	अर्जित ब्याज (उपरोक्त लिखित से अन्य)	38,92,495	83,18,778		1,56,04,614
	कुल		**25,77,66,312**		**4,06,00,649**

भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर

अनुसूची 8: शैक्षणिक प्राप्तियां

(रुपयों मे)

विवरण	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
छात्रों से शुल्क		
शैक्षणिक –पीजीपी शिक्षा शुल्क		
1. शिक्षा शुल्क	8,88,82,928	6,59,71,884
2. आईटी एवं संरचना	73,46,666	54,84,086
3. पुस्तकालय	73,46,666	54,84,086
4. किताबें एवं अध्ययन सामग्री	1,26,66,667	94,42,399
5. प्रवेश शुल्क	11,78,667	6,51,429
6. दिशानिर्देश	11,78,667	6,51,429
7. छात्र सहायता शुल्क	24,85,500	19,00,491
8. पीजीपी आवेदन शुल्क	24,85,500	-
कुल (क)	**12,35,36,428**	**8,95,85,802**
परीक्षा –पीजीपी		
1. प्रवेश परीक्षा शुल्क – सीएटी (निवल)	-	30,00,000
1. परीक्षा शुल्क	20,26,667	15,25,773
कुल (ख)	**20,26,667**	**45,25,773**
अन्य शुल्क –पीजीपी		
1. मेडिकल एवं छात्र कल्याण	15,20,000	11,13,103
2. छात्रावास (रुम किराया)	73,46,666	54,84,086
3. पुर्वछात्र शुल्क	12,72,000	12,49,063
4. पीजीपी विविध आय	2,02,170	2,27,505
कुल (ग)	**1,03,40,836**	**80,73,756**
अन्य शैक्षणिक प्राप्तियां		
(क) एक्सिक्यूटिव शिक्षा कार्यक्रम		
1. अनुकूलित एक्सिक्यूटिव शिक्षा कार्यक्रम हेतु पंजीकरण शुल्क	4,64,830	-
कुल (ङ)	4,64,830	-
कुल योग (क+ख+ग+ङ)	**13,63,68,761**	**10,21,85,331**

भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर

अनुसूची 9: अनुदान / सब्सिडी (प्राप्त अपरिवर्तनीय अनुदान)

(रुपयों मे)

विवरण	योजना					कुल योजना 2019-2020	यूजीसी गैर-योजना	कुल 2019-2020	कुल 2018-2019
	भारत सरकार			यूजीसी					
				योजना	विशिष्ट योजना				
	ओएच'31	ओएच'35	ओएच'36						
अग्रेषित शेष	-	9,92,75,148	9,50,21,875	-	-	19,42,97,023	-	19,42,97,023	15,93,86,356
जोड़े: वर्ष के दौरान प्राप्त / प्राप्य अनुदान	9,30,00,000	8,06,00,000	7,18,00,000	-	-	24,54,00,000	-	24,54,00,000	8,45,00,000
जोड़े: वर्ष के दौरान अर्जित ब्याज	-	55,94,719	57,35,507	-	-	1,13,30,226	-	1,13,30,226	59,07,026
कूल	**9,30,00,000**	**18,54,69,866**	**17,25,57,362**	**-**	**-**	**45,10,27,249**	-	**45,10,27,249**	**24,97,93,382**
घटाए: वापसी	-	-	-	-	-	-	-	-	3,89,46,973
शेष	**9,30,00,000**	**18,54,69,866**	**17,25,57,362**	**-**	**-**	**45,10,27,249**	-	**45,10,27,249**	**24,87,40,355**
घटाए: पूंजी व्यय के लिए उपयोग (क)	-	(6,85,12,741)	-	-	-	(6,85,12,741)	-	(6,85,12,741)	(5,46,21,935)
शेष :	**9,30,00,000**	**11,69,57,125**	**17,25,57,382**	**-**	**-**	**38,25,14,507**	**-**	**38,25,14,507**	**23,42,18,420**
घटाए: राजस्व व्यय के लिए उपयोग (ख)	(9,30,00,000)	-	(3,72,45,174)	-	-	(13,02,45,174)	-	(13,02,45,174)	(3,98,21,397)
अग्रेनीत शेष (ग)	**-**	**11,69,57,125**	**13,53,12,208**	**-**	**-**	**25,22,69,333**	**-**	**25,22,69,333**	**19,42,97,023**

क. वर्ष के दौरान पूंजीगत निधि तथा अचल संपत्तियों मे अतिरिक्त जोड़ के रूप में प्रकट होता है।

ख. आय एवं व्यय खातों में आय के रूप में प्रकट होता है।

ग. (i) बैलेंस शीट में वर्तमान दायित्व के तहत दिखाई देता है और वह अगले वर्ष अग्रेषित शेष बन जाएगा।

(ii) संपत्ति मे बैंक शेष, निवेश और अग्रिम द्वारा उल्लेखित किया गया है।

भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर

अनुसूची 10: अर्जित ब्याज

(रुपयों मे)

विवरण	2019-20	2018-19
1. सावधि जमा पर ब्याज	2,90,02,095	2,04,48,874
कुल	**2,90,02,095**	**2,04,48,874**
घटाए		
1. अनुदान खाते से हस्तांतरित	1,13,30,225	59,07,026
2. संचित निधि से हस्तांतरित	1,40,79,095	1,45,41,848
कुल	**2,54,09,811**	**2,04,48,874**
कुल	**35,92,284**	**-**

अनुसूची 11: अर्जित ब्याज

(रुपयों मे)

विवरण	2019-20	2018-19
1. शेड्यूल बैंक के बचत खातों पर	30,914	22,05,381
कुल	**30,914**	**22,05,381**

भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर

अनुसूची 12: अन्य आय

(रुपयों मे)

विवरण	2019-20	2018-19
क. भूमि एवं भवन से आय		
1. छात्रावास खोली किराया	12,297	29,070
कुल क.	**12,297**	**29,070**
ख. अन्य		
1. प्रायोजन आय	8,43,000	**-**
2. आयकर वापसी पर आय	15,984	69,990
3. अचल संपत्तियां की बिक्री	2,60.000	**-**
4. अन्य प्राप्तियाँ	3,46,070	**-**
कुल ख.	**14,65,054**	**69,990**
कुल क + ख	**14,77,351**	**69,990**

अनुसूची 13: पूर्व अवधि आय

(रुपयों मे)

विवरण	2019-20	2018-19
1. शैक्षणिक प्राप्तियाँ (छात्र से वसूला गया जुर्माना)	7,878	-
2. अर्जित ब्याज	1,525	2,59,929
कुल	**9,503**	**2,59,929**

भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर

अनुसूची 14: कर्मचारी भुगतान और लाभ (आस्थापना व्यय)

(रुपयों मे)

विवरण	शैक्षिक	अशैक्षिक	अविनिधानीय	2019-20	2018-19
गैर योजना					
क) वेतन और मजदूरी (वेतन संशोधन बकाया शामिल है)	2,37,05,224	1,09,88,121	-	3,46,93,345	2,46,18,836
ख) भत्ता और बोनस	24,72,300	-	-	24,72,300	-
ग) भविष्य निधि में योगदान	-	5,26,704	-	5,26,704	-
घ) सेवानिवृत्ति और टर्मिनल लाभ (अनुसूची 14क देखें)	30,94,268	7,51,085	-	38,45,353	11,15,645
ङ) चिकित्सा व्यय	13,061	32,285	-	45,346	94,088
च) मानदेय	12,74,820	-	-	12,74,820	43,86,810
छ) अन्य सुविधा भुगतान	22,02,000	30,000	-	22,30,000	31,99,082
कुल क	**3,27,61,673**	**1,23,28,195**	-	**4,50,89,868**	**3,34,14,461**
अन्य आस्थापना व्यय					
क) प्रबंध विकास कार्यक्रम	2,34,000	3,000	-	2,37,000	-
कुल ख	**2,34,000**	**3,000**	-	**2,37,000**	**-**
कुल क + ख	**3,29,95,673**	**1,23,31,195**	-	**4,53,26,868**	**3,34,14,461**

भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर

अनुसूची 14 क: सेवानिवृत्ति और टर्मिनल लाभ

(रुपयों मे)

विवरण	सेवानिवृत्ति	ग्रेच्युटी	छुट्टी के बदले भुगतान	2019-20	2018-19
1.4.2019 को प्रारंभिक शेष	-	-	-	-	-
जोड़े: निधि पर अर्जित ब्याज	-	-	-	-	-
कुल (क)	-	-	-	-	-
घटाए: वर्ष के दोरान वास्तविक भुगतान (ख)	-	-	-	-	-
31.03.2020 पर उपलब्ध शेष (क-ख)	-	-	-	-	-
बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार 31.03.2020 को आवश्यक प्रावधान (ङ)	-	6,61,906	4,90,235	11,52,141	-
क. चालू वर्ष मे किया गया प्रावधान	-	6,61,906	4,90,235	11,52,141	-
ख. नई पेंशन योजना में योगदान	26,93,212	-	-	26,93,212	-
कुल क + ख + ग	**26,93,212**	**6,61,906**	**4,90,235**	**38,45,353**	**-**

भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर

अनुसूची 15: शैक्षणिक व्यय

(रुपयों मे)

विवरण	2019-20	2018-19
गैर योजना		
क. शैक्षणिक व्यय		
क) क्षेत्र कार्य/सम्मेलन में भागीदारी	1,00,000	-
ख) आगंतुक संकाय को भुगतान	88,90,000	85,64,480
ग) प्रवेश व्यय	58,22,516	37,49,217
घ) दीक्षांत व्यय	14,68,237	15,95,987
ङ) पुस्तक और केस सामग्री	25,94,596	48,62,290
च) चिकित्सा व्यय	7,01,547	11,60,338
छ) अन्य व्यय	92,972	-
ज) प्लेसमेंट व्यय	16,31,250	12,71,238
झ) पूर्व-छात्र व्यय	2,87,389	-
ञ) आतिथ्य व्यय (पीजीपी)	11,83,952	4,32,726
ट) छात्र गतिविधि व्यय	53,80,234	40,92,755
ठ) यात्रा व्यय	35,70,030	40,73,220
ड) प्रिंटिंग एवं स्टेशनरी पीजीपी	5,53,507	2,48,165
कुल क	**3,22,76,230**	**3,00,50,416**
ख. परियोजना / शैक्षणिक व्यय		
क) प्रबंध विकास कार्यक्रम	1,41,925	-
कुल ख	**1,41,925**	**-**
कुल क + ख	3,24,18,155	3,00,50,416

भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर

अनुसूची 16: प्रशासनिक और सामान्य व्यय

(रुपयों मे)

विवरण	2019-20	2018-19
गैर योजना		
क. संरचना		
क) बिजली और जल प्रभार	54,29,591	32,40,278
ख) किराया, दरें और कर (संपत्ति कर सहित)	2,75,64,015	2,20,70,082
कुल क	**3,29,93,606**	**2,53,10,360**
ख. संचार		
क) डाक एवं स्टेशनरी व्यय	84,193	1,04,866
ख) टेलीफोन, फ़ैक्स और इंटरनेट प्रभार	21,83,566	23,11,371
कुल ख	**22,67,759**	**24,16,237**
क. अन्य		
क) प्रिंटिंग और स्टेशनरी	2,87,363	2,25,738
ख) यात्रा और कन्वेन्स व्यय	17,81,120	23,31,311
ग) आतिथ्य	9,61,659	2,12,261
घ) लेखापरीक्षक मानदेय (करों सहित)	-	-
- लेखापरीक्षण शुल्क	1,18,000	-
- कर हेतु	2,95,000	-
ङ) पेशेवर / कानूनी प्रभार	61,45,595	25,59,492
च) विज्ञापन और प्रचार	13,34,210	25,73,311
छ) सुरक्षा शुल्क	63,06,680	9,58,199
ज) वृत्तपत्र और पत्रिकाएँ	1,22,150	1,15,502
झ) मानदेय भर्ती व्यय	-	20,000
ञ) अन्य व्यय	8,26,345	6,120
ट) संपत्ति बिक्री पर हानी	-	-
ठ) मानदेय भर्ती व्यय	1,88,600	-
ड) एचईएफए ऋण व्यय	1,600	-
ढ) शासी मंडल सभा व्यय	5,33,709	6,07,659

ण) संस्थान कार्य	1,50,000	35,435
त) संस्थान सदस्यत्व एवं अंशदान	3,03,850	1,95,988
कुल ग	**1,93,55,880**	**98,41,026**
कुल क + ख + ग	**5,46,17,246**	**3,75,67,623**

भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर

अनुसूची 17: परिवहन व्यय

(रुपयों मे)

विवरण	2019-20	2018-19
गैर योजना		
1 वाहन		
क. चालू व्यय	8,14,547	11,34,453
ख. दुरुस्ती एवं रखरखाव	1,29,105	2,19,579
ग. वाहन बीमा	2,16,311	1,65,183
घ. वाहन किराया खर्च	20,97,849	8,85,161
ङ. अन्य परिवहन व्यय	5,900	92,093
कुल	**32,63,712**	**24,96,469**

अनुसूची 18: दुरुस्ती एवं रखरखाव

(रुपयों मे)

विवरण	2019-20	2018-19
गैर योजना		
1 वाहन		
क. भवन	66,11,488	59,21,207
ख. फ़र्निचर एवं फिक्सचर	-	1,39,533
ग. कार्यालय उपकरण	13,65,766	7,36,409
घ. संगणक	7,59,928	4,00,379
ङ. इस्टेट रखरखाव	26,060	1,34,620
कुल	**87,63,242**	**73,32,148**

भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर

अनुसूची 19: मूल्यह्रास / परिशोधन

(रुपयों मे)

विवरण	2019-20	2018-19
मूर्त संपत्ति पर मूल्यह्रास	89,11,077	46,07,673
अमूर्त संपत्ति पर परिशोधन	1,79,80,252	40,15,643
कुल	2,68,91,329	86,23,316

भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर

अनुसूची 20: वितीय लागत

(रुपयों मे)

विवरण	2019-20	2018-19
क. बैंक चार्ज	13,756	14,071
कुल	**13,756**	**14,071**

भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर

अनुसूची 21: अन्य व्यय

(रुपयों मे)

विवरण	2019-20	2018-19
क. अपूरणीय शेष बट्टे खाते में (सीएटी शुल्क)	30,00,000	-
कुल	**30,00,000**	**-**

भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर

अनुसूची 22: पूर्ववधि व्यय

(रुपयों मे)

विवरण	2019-20	2018-19
क. पूर्ववधि व्यय	21,95,114	22,76,064
कुल	**21,95,114**	**22,76,06**

भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर

अनुसूची 23: महत्वपूर्ण लेखा नीतियां

1. **लेखा व्यवस्था**

   भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान द्वारा अधिसूचित लेखांकन और लेखा मानकों के प्रोद्भवन आधार पर ऐतिहासिक लागत व्यवस्था के तहत भारतीय सामान्य स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (आई-जीएएपी) के अनुसार वित्तीय विवरण तैयार किए जाते हैं।

   वित्तीय विवरण बड़े पैमाने पर पर केंद्रीय उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा निर्धारित प्रारूप के आधार पर तैयार किए जाते हैं।

2. **अनुमानों का उपयोग**

   भारतीय जीएएपी के अनुरूप वित्तीय विवरण तैयार करने के लिए प्रबंध को वित्तीय विवरणों की तारीख और रिपोर्टिंग अवधि के दौरान रिपोर्ट की गई आय और व्यय की रिपोर्ट की गई परिसंपत्तियों और देनदारियों (आकस्मिक देनदारियों सहित) में अनुमान और अनुमान लगाने की आवश्यकता होती है।

   प्रबंध का विश्वास है कि वित्तीय विवरण तैयार करने में उपयोग किए गए अनुमान विवेकपूर्ण और उचित हैं। लेखांकन अनुमान समय-समय पर बदल सकते हैं। वास्तविक परिणाम अनुमानित से भिन्न हो सकते हैं। अनुमानों में उचित परिवर्तन किए जाते हैं क्योंकि प्रबंध अनुमानों के आसपास की परिस्थितियों में परिवर्तन के संबंध में जागरूक हो जाता है। अनुमानों में परिवर्तन वित्तीय विवरणों में उस अवधि में परिलक्षित होते हैं जिसमें परिवर्तन किए जाते हैं और, यदि भौतिक हो, तो उनके प्रभावों को वित्तीय विवरणों की टिप्पणियों में प्रकट किया जाता है।

3. **अचल सम्पत्ति**

   मूर्त संपत्ति

   मूर्त अचल संपत्तियों को कम संचित मूल्यह्रास और हानि, यदि कोई हो, की लागत पर बताया गया है। अचल संपत्तियों के अधिग्रहण की लागत में माल वहन, शुल्क और कर और संपत्ति के अधिग्रहण से संबंधित अन्य आकस्मिक और प्रत्यक्ष खर्च शामिल हैं और संपत्ति को इच्छित उपयोग के लिए अपनी कार्यशील स्थिति में लाना है।

   निर्माणाधीन परियोजनाओं के संबंध में, संबंधित पूर्व-संचालन व्यय पूंजीकृत संपत्ति के मूल्य का भाग हैं।

   उपहार/दान के माध्यम से प्राप्त अचल संपत्तियों को पूंजी निधि में संबंधित क्रेडिट द्वारा परिसंपत्ति के उचित मूल्य पर पूंजीकृत किया जाता है।

भारत सरकार से प्राप्त अनुदानों से सृजित आस्तियां, जहां ऐसी संपत्ति का स्वामित्व संस्था में निहित है, पूंजी कोष में क्रेडिट द्वारा स्थापित की जाती हैं, संस्थान की अचल संपत्तियों के साथ विलय कर दी जाती हैं।

अमूर्त संपत्ति

अमूर्त संपत्ति अधिग्रहण की लागत, कम संचित परिशोधन और हानि हानियों पर राज्य हैं। एक अमूर्त संपत्ति को मान्यता दी जाती है, जहां यह संभावना है कि परिसंपत्ति के कारण भविष्य के आर्थिक लाभ उद्यम में प्रवाहित होंगे और जहां इसके मूल्य / लागत को दृढ़ता से से मापा जा सकता है।

संस्थान ने सॉफ्टवेयर और संबंधित कार्यान्वयन लागतों को पूंजीकृत किया जहां यह उचित रूप से अनुमान लगाया गया है कि सॉफ्टवेयर का स्थायी उपयोगी कार्यकाल है।

4. मूल्यह्रास / परिशोधन

एमएचआरडी दिशानिर्देशों के तहत निर्धारित मूल्यह्रास दरों के आधार पर सीधी रेखा पद्धति पर सभी मूर्त / अमूर्त संपत्तियों पर मूल्यह्रास प्रदान किया गया है।

पूंजीगत निधि से सृजित परिसम्पत्तियों के विरुद्ध प्रदान की गई मूल्यह्रास की सीमा तक पूंजीगत निधि को आय और व्यय खाते में परिशोधित किया जाता है।

5. निवेश

"दीर्घावधि निवेश" के रूप में वर्गीकृत निवेश लागत पर किए जाते हैं। अस्थायी के अलावा अन्य गिरावट का प्रावधान ऐसे निवेशों की लागत वहन करने में किया जाता है।

निवेश के अधिग्रहण पर प्रीमियम परिपक्वता की तारीख तक यथानुपात परिशोधित कर दिया गया है।

6. राजस्व मान्यता

छात्रों से शुल्क प्रोद्भवन के आधार पर मान्यता प्राप्त है। भूमि और भवन से आय, प्लेसमेंट शुल्क, अन्य विविध प्राप्तियां और निवेश पर ब्याज का हिसाब सटीक आधार पर किया जाता है।

वर्ष के अंत में एमडीपी परियोजनाओं से आय को संबंधित परियोजना के तहत वर्ष के दौरान किए गए व्यय की सीमा तक आय और व्यय खाते में मान्यता दी जाती है क्योंकि परियोजना से आय का संस्थान का हिस्सा और संकाय हिस्सा परियोजना के बंद होने तक निश्चित नहीं है।

दान, बीमा दावा प्राप्तियों और सीएटी शुल्क से योगदान रसीद के आधार पर लिया जाता है।

7. निवेश पर ब्याज

कॉर्पस निधि से निवेश पर ब्याज सीधे कॉर्पस निधि में जमा किया जाता है। निवेश पर अर्जित ब्याज जो कि कॉर्पस के लिए विशिष्ट नहीं है, उसके मासिक औसत शेष के आधार पर अप्रयुक्त सरकारी अनुदान के लिए आवंटित किया जाता है। खाते में आवंटन के बाद किसी भी अधिशेष ब्याज को आय और व्यय खाते में "ब्याज आय" के रूप में मान्यता दी जाती है।

8. विदेशी मुद्रा व्यवहार

विदेशी मुद्रा में मूल्यवर्ग के व्यवहार का हिसाब लेन-देन की तिथि पर प्रचलित विनिमय दर पर किया जाता है। अवधि के दौरान निपटाए गए विदेशी मुद्रा लेनदेन के संबंध में शुद्ध विनिमय लाभ या हानि आय और व्यय खाते में मान्यता प्राप्त है।

9. सरकारी अनुदान

सरकारी अनुदानों का लेखा सरकारी विभाग से स्वीकृति के आधार पर किया जाता है।

विशिष्ट अचल संपत्तियों के संबंध में अनुदान को पूंजी अनुदान के रूप में माना जाता है।

विशिष्ट अचल संपत्तियों के संबंध में अनुदान पूंजीगत निधि में स्थानांतरित किया जाता है और जब खर्च किया जाता है। इसके बाद, इसे आय और व्यय खाते में परिसंपत्तियों के उपयोगी जीवनकाल पर व्यवस्थित और तर्कसंगत आधार पर मान्यता दी जाती है यानी पूंजीगत निधि को उस अनुपात में आय के लिए आवंटित किया जाता है जिसमें मूल्यह्रास लगाया जाता है।

राजस्व व्यय को पूरा करने के लिए सरकारी अनुदान (प्रोद्भवन के आधार पर) को उस वर्ष की आय के रूप में माना जाता है, जिस वर्ष उन्हें प्राप्त किया जाता है।

अप्रयुक्त अनुदानों को आगे बढ़ाया जाता है और बैलेंस शीट में देयता के रूप में प्रदर्शित किया जाता है।

10. प्रायोजित परियोजनाएं

वर्तमान प्रायोजित परियोजनाओं के संबंध में, प्रायोजकों से प्राप्त राशि को अन्य देयताओं - वर्तमान देयताओं शीर्ष के अंतर्गत चल रही प्रायोजक परियोजनाओं के लिए प्राप्ति शीर्ष में जमा किया जाता है। जब कभी व्यय किया जाता है/ऐसी परियोजनाओं के लिए अग्रिम भुगतान किया जाता है, संबंधित परियोजना खाते को डेबिट कर दिया जाता है।

11. सेवानिवृत्ति लाभ

सभी पात्र कर्मचारियों को परिभाषित लाभ योजना के तहत भविष्य निधि, एक परिभाषित योगदान योजना और ग्रेच्युटी और एनपीएस पेंशन योजना से लाभ मिलता है। कर्मचारियों को अवकाश नकदीकरण के रूप में अनुपस्थिति की भरपाई करने का भी अधिकार है।

भविष्य निधि और एनपीएस पेंशन में निर्धारित दरों पर नियमित अंशदान किया जाता है। कर्मचारियों के लिए ग्रेच्युटी और संचित अवकाश का प्रावधान प्रोजेक्टेड यूनिट क्रेडिट पद्धति का उपयोग करते हुए बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर किया जाता है।

12. आयकर

संस्थान आयकर अधिनियम की धारा 10 (23सी) (iii एबी) के तहत आयकर छूट प्राप्त कर रहा है और इसलिए, खातों में आयकर का कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

13. प्रावधान, आकस्मिक देयताएं और आकस्मिक संपत्तियां

पर्याप्त मात्रा में अनुमान लगाने वाले प्रावधानों को मान्यता दी जाती है जब पिछली घटनाओं के परिणामस्वरूप वर्तमान दायित्व होता है और यह संभव है कि संसाधनों का बहिर्वाह होगा। निपटान के लिए आवश्यक प्रावधानों की नियमित रूप से समीक्षा की जाती है और दायित्व के वर्तमान

सर्वोत्तम अनुमानों को प्रतिबिंबित करने के लिए जहां आवश्यक हो वहां समायोजित किया जाता है। जहां कोई विश्वसनीय अनुमान नहीं लगाया जा सकता है, एक प्रकटीकरण आकस्मिक देयता के रूप में किया जाता है।

जहां एक संभावित दायित्व या वर्तमान दायित्व है जिसके संबंध में संसाधनों के बहिर्वाह की संभावना दूरस्थ है, कोई प्रावधान या प्रकटीकरण नहीं किया जाता है। आकस्मिक देनदारियों को मान्यता नहीं दी जाती है लेकिन एक टिपणी के माध्यम से खातों में प्रकट किया जाता है। वित्तीय विवरणों में आकस्मिक संपत्तियों को न तो मान्यता दी जाती है और न ही प्रकट किया जाता है।

भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर

अनुसूची 24: खातों के लिए अन्य नोट/टिपणी

1. आकस्मिक देयताएं

क- संस्थान को निर्धारण वर्ष 2017-18 से संबंधित निर्धारण अधिकारी, डीसीआईटी छूट, चंडीगढ़ से 7.30 करोड़ रुपये की धारा 156 के तहत मांग आदेश प्राप्त हुआ है। संस्थान ने उक्त आदेश के विरुद्ध सीआईटी-अपील में अपील दर्ज की है। (पिछले वर्ष रु. शून्य)

ख- संस्थान के खिलाफ दावों को ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया
रु. शून्य (पिछले वर्ष रु. शून्य)

ग- मा. पंजाब उच्च न्यायालय में लंबित मामले जो संस्थान के कर्मचारियों द्वारा दायर किए गए हैं।

मामला दर्ज करने वाले कर्मचारीयों का नाम	इनके विरुद्ध दायर	मामले के संबंध में संक्षिप्त	वाद दायर करने की तिथि	राशि
रघुराज सिंह	भारत संघ / आईआईएम अमृतसर	रिक्त पद के समायोजन हेतु रिट याचिका	15/12/2018	अनिश्चित
सरबजीत सिंह			15/12/2018	
ललित भल्ला			28/01/2019	
प्रवेश भल्ला			08/11/2019	
मनीष गैंदो			22/10/2019	
रेशम सिंह			26/11/2019	
सास्वत पत्रा		बर्खास्तगी के विरुद्ध रिट याचिका	16/07/2018	

2. अनिष्पादित पूंजी अनुबंध

निष्पादित पूंजी अनुबंध (अग्रिमों का शुद्ध) 330.57 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष शून्य) है, जिसका उपयोग सरकारी अनुदान से किया जाएगा।

3. वर्तमान संपत्ति, ऋण और अग्रिम

प्रबंध की राय में, वर्तमान परिसंपत्तियों, ऋणों और अग्रिमों का व्यवसाय के सामान्य पाठ्यक्रम में वसूली पर मूल्य होता है, जो कम से कम बैलेंस शीट में दिखाई गई कुल राशि के बराबर होता है। वर्तमान परिसंपत्तियों, वर्तमान देयताओं, ऋणों और अग्रिमों में शेष राशि की पुष्टि की जा सकती है।

4. कराधान

संस्थान आयकर अधिनियम की धारा 10 (23सी) (iii एबी) के तहत आयकर छूट प्राप्त कर रहा है और इसलिए, खातों में आयकर का कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

5. विदेशी मुद्रा में व्यय

विवरण	2019-2020			2018-2019		
	यूएसडी	यूरो	जीबीपी	यूएसडी	यूरो	जीबीपी
क) विदेश यात्रा	-	1200.00	-	-	-	-
ख) ई-जर्नल, सॉफ्टवेयर, सीडी रोम, सिमुलेशन,	30575.00	21823.00	9741.00	120448.15	17200.00	9550.00
ग) पुस्तक, जर्नल, केस आदि की खरीद।				32557.10	1378.00	302.40

6. विदेशी मुद्रा में कमाई

विवरण	2019-2020 रु.	2018-2019 रु.
परियोजना, कार्यक्रम, दान और शुल्क आय	शून्य	शून्य

7. देनदारों, लेनदारों, अग्रिमों आदि की शेष राशि को खातों की पुस्तकों के अनुसार लिया गया है और समाधान/पुष्टिकरण और उसके परिणामी समायोजन के अधीन हैं।

8. मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा दिए गए लेखांकन और प्रस्तुति मानदंडों के आधार पर वर्तमान वर्ष की प्रस्तुति की पुष्टि करने के लिए पिछले वर्ष के संबंधित आंकड़ों को पुनः समूहित / पुनर्व्यवस्थित किया गया है।

सम तिथि की हमारी रिपोर्ट के अनुसार
टी. आर. चड्ढा एंड कंपनी एलएलपी के लिए
फर्म पं. सं. 006711एन/एन500028
सनदी लेखाकार

बृजेश ठक्कर
पार्टनर
सदस्यता संख्या 135556

अहमदाबाद

प्रो. आर नागराजन
निदेशक

लक्ष्मणदेव गोहील
वित्त एवं लेखा

Separate Audit Report of the Comptroller & Auditor General of India on the Accounts of the Indian Institute of Management, Amritsar for the year ended 31 March 2020

We have audited the Balance Sheet of the Indian Institute of Management (IIM), Amritsar (Punjab) as on 31st March 2020, Income and Expenditure Account and Receipts and Payments Account for the year ended on that date under Section 19(2) of the Comptroller and Auditor General's (Duties, Power and Conditions of Service) Act 1971 read with Section 23(3) of the Indian Institutes of Management Act 2017. These financial statements are the responsibility of the Institute's Management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

2. This Separate Audit Report contains the comments of the Comptroller &Auditor General of India (CAG) on the accounting treatment only with regard to classification, conformity with the best accounting practices, accounting standards and disclosure norms, etc. Audit observations on financial transactions with regard to compliance with the Law, Rules & Regulations (Propriety and Regularity) and efficiency-cum-performance aspects, etc., if any, are reported through Inspection Reports/ CAG's Audit Reports, separately.

3. We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. These standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatements. An audit includes examining, on a test basis, evidences supporting the amounts and disclosure in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management, as well as evaluating the overall presentation of financial statements. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

4. Based on our audit, we report that:

i) We have obtained all the information and explanations, which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit;

ii) The Balance Sheet and Income and Expenditure Account/Receipts and Payments Account dealt with by this Report have been drawn up in the format prescribed by the Ministry of Human Resource Development, Government of India vide order No. 29-4/2012-FD dated 17 April 2015.

iii) In our opinion, proper books of accounts and other relevant records have been maintained by the Indian Institute of Management, Amritsar in so far as it appears from our examination of such books.

iv) We further report that:-

A. Balance Sheet
Application of Funds
Loan, Advances & Deposits (Schedule 7)

A.1 Deposit with CPWD for Construction of Permanent Campus: ₹20.83 crore

Above includes expenditure of ₹ 201.56 lakh incurred for Construction of Permanent Campus, (as per CPWD Form 65) against the Deposits with the construction agency. The same should have been booked under Capital Work-in-Progress. This has resulted in understatement of Capital Work-in-Progress and overstatement of Loan, Advances & Deposits by ₹201.56 lakh.

A.2 Income Accrued: ₹0.83 crore

As per the bank certificate, the interest earned in respect of SBI saving and deposit accounts of the Institute amounted to ₹ 26.56 lakh, whereas the institute has booked ₹ 22.52 lakh in its annual accounts. This has resulted in understatement of income for the year by ₹4.04 lakh and understatement of Loan, Advances & Deposits by ₹4.04 lakh.

B. Significant Accounting Policies (Schedule 24)

As per Rule 230 (8) of GFR, all interests or other earnings against Grants in aid or advances (other than reimbursement) released to any Grantee institution should be mandatorily remitted to the Consolidated Fund of India immediately after finalization of the accounts.

A reference is invited to Policy at Sr.No.8 which states that interest on Investments made out of Corpus Fund is directly credited to the Corpus Fund. Interest earned on Investments not specific to the Corpus are allocated to the Unutilized Government Grant based on its monthly average balance. Any surplus interest after allocation to grant account is recognized in Income & Expenditure Account as "Interest Income".

As per the prescribed format of accounts, the Institute should have routed the interest on the investment of Corpus fund through the Income & Expenditure Account, instead of showing it directly to the Corpus fund.

Thus, the policy is inappropriate and needs to be amended.

C. General

C.1 Net impact of Audit comments on the Annual Accounts

Net impact of Audit comments on the Annual Accounts of the Institute for the year ending 31

March 2020 is as follows:

(i) Assets are understated by ₹ 4.04 lakh;

(ii) Surplus is understated by ₹ 4.04 lakh, resulting in understatement of Corpus/ Capital fund by ₹ 4.04 lakh.

C.2 The Institute has mixed the Grant Funds and Corpus Funds for the purpose of making investments. The interest on the Investments made out of Grant Funds and Corpus funds, ₹ 1.13 crore and ₹ 1.41 crore respectively, needs to be depicted separately.

C.3 Expenditure ₹17.85 lakh incurred on execution of Minor Repair Works named as "Acoustic Chain Fencing, Angle Iron Fencing, Steel Signage, Distempering and Painting at Transit Campus IIM Amritsar" has been booked under Fixed Assets (Buildings) in the Schedule 4. Since the land and building of the transit campus does not belong to the Institute, the expenditure thus incurred cannot be booked under Fixed Assets. The Institute must frame an accounting policy in respect of the Capital works taken up for Transit Campus, estimating the period for which transit campus will be used, treating the expenditure as Deferred Revenue Expenditure and amortize the same over such period. The institute should identify similar other capital works taken up on account of Transit campus and treat them accordingly.

C.4 HEFA Grant income has not been included in Schedule 9 – Grants/Subsidies.

D. Grants-in-Aid

The Institute received Grant of ₹ 24.54 crore during the year 2019-20 and had earned interest of ₹ 1.13 crore from Grants during the year. It had an opening balance of ₹ 19.43 crore of previous year. Out of the total funds of ₹ 45.10 core, the Institute utilized ₹ 19.87 crore leaving a balance of ₹ 25.23 crore as at 31st March 2020.

The Institute has also received ₹ 34.94 crore as HEFA loan and earned interest of ₹ 0.22 crore. Out of total fund of ₹ 35.16 crore, the Institute utilized ₹ 0.10 crore leaving a balance of ₹ 35.06 crore as at 31st March 2020.

E. Management letter

Deficiencies which have not been included in the Audit report have been brought to the notice of the Institute's management through a management letter issued separately for remedial/corrective action.

v) Subject to our observations in the preceding paragraphs, we report that the Balance Sheet, Income & Expenditure Account and Receipts & Payments Account dealt with by this report are in agreement with the books of accounts.

vi) In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said financial statements read together with the Accounting Policies and Notes on Accounts, and subject to the significant matters stated above and other matters mentioned in Annexure to this Audit Report give a true and fair view in conformity with accounting principles generally accepted in India:

a. In so far as it relates to the Balance Sheet, of the state of affairs of the Indian Institute of Management, Amritsar as at 31 March 2020; and

b. In so far as it relates to Income & Expenditure Account, of the surplus for the year ended on that date.

For and on behalf of the C & AG of India

Director General of Audit
(Central), Chandigarh

Place: Chandigarh
Date: 2/8/2021

Annexure to Audit Report

1. Adequacy of Internal Audit System

The internal audit of the Institute for the year 2019-20 was conducted through a firm of Chartered Accountants. The Internal Audit Manual was under preparation.

2. Adequacy of Internal Control system

Internal Control system was found to be inadequate on account of the following deficiencies:

2.1 The financial control in respect of Fixed Deposits, Saving Bank accounts, interest thereon was inadequate as:

i. Interest income Certificate in respect of State Bank of India account no. 34728863991 was not furnished to Audit.

ii. The confirmation of Fixed Deposits from State Bank of India was not produced to Audit.

iii. The Institute has not included the Annexure to Schedule of "Current Assets" depicting the source of funds held in each bank account.

iv. Delayed/non-receipt of bank certificates/confirmations.

2.2 Non-preparation of Accounting Manual.

3. System of Physical verification of Fixed Assets (other than library books)

Physical verification of the fixed assets for the year 2019-20 was conducted.

4. System of Physical Verification of Inventory

The Institute did not have any inventory as on 31 March 2020.

5. Physical verification of Library books

Physical verification of Library books for the year 2019-20 was conducted by the Institute. Out of total 1726 books, 61 books were found missing.

6. Regularity in payment of Statutory dues

As per the Books of Accounts, the Institute was regular in depositing Statutory dues except a liability of ₹0.05 lakh.

प्रतिज्ञा

Director